**आज का विचार**

कोई आपको न समझे तो टेंशन न लें क्योंकि अच्छे लोग और अच्छी किताबे हर किसी को समझ नहीं आती हैं।

# दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I बुधवार, 25 मार्च, 2026 | वर्ष 24, अंक 72, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com


# 40 वर्षों बाद पंजाब को नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप अंडर-13 की मेजबानी भी मिली: भगवंत सिंह मान

## मोहाली और जालंधर में अक्टूबर-नवंबर में होंगे टूनार्मेंट, भारत समेत छह टीमें होंगी शामिल

**यज्ञांश शर्मा**
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज शानदार चार साल, भगवंत मान दे नाल कार्यक्रम के तहत खेल विभाग का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इस दौरान उन्होंने आप सरकार की खेल क्रांति से खेल क्षेत्र की तस्वीर बदलने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग और कानून-व्यवस्था पर रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद मुख्यमंत्री ने खेलों में बड़े सुधारों की अगली योजना का उल्लेख किया। इस योजना के तहत खेल बजट 350 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1791 करोड़ रुपये किया गया, कोचों की संख्या 500 से बढ़ाकर 2458 की गई और ओलंपिक की तैयारी के लिए 15 लाख रुपये तथा एशियाई खेलों के खिलाड़ियों के लिए 8 लाख रुपये की वित्तीय सहायता शामिल है। इसका विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने 3100 खेल मैदानों के विकास, 3000 जिम, 17000 खेल किटों के वितरण और खेडां वतन पंजाब दीयां के तेजी से विस्तार का उल्लेख किया। इस योजना में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या डेढ़ लाख से बढ़कर पांच लाख तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के चलते पंजाब ने इतिहास में पहली बार हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी और 40 वर्षों बाद राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप अंडर-13 की मेजबानी प्राप्त की है, जिससे राज्य देश में खेलों के केंद्र के रूप में उभरा है।प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, एशियाई खेल 3-4 अक्टूबर को समाप्त होंगे और शीर्ष छह हॉकी टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। पहली बार पंजाब को यह अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट आयोजित करने का

अवसर मिला है और यह खेल क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा राज्य के लिए चार-देशीय टूनार्मेंट के रूप में एक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता को मंजूरी दी गई है, जो राज्य में हॉकी को बढ़ावा देगी। इस टूनार्मेंट के महत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हॉकी में पंजाबियों की सरदारी/ श्रेष्ठा होने के बावजूद राज्य ने अब तक किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूनार्मेंट की मेजबानी नहीं की थी। पहली बार पंजाब अक्टूबर में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा, जो एशिया का सबसे प्रतिष्ठित हॉकी टूनार्मेंट है। उन्होंने बताया कि हॉकी मैच मोहाली के बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम और जालंधर के सुरजीत हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन चैंपियनशिप की वापसी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, 40 वर्षों बाद राज्य को जालंधर में राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप (अंडर-13) की मेजबानी मिली है। यह टूनार्मेंट अंडर-13 वर्ग के लिए होगा और यह सुनिश्चित करेगा कि राज्य में समग्र विकास और खेलों को बढ़ावा मिले। उन्होंने आगे कहा, राज्य सरकार युवाओं की अपार ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंजाब की महान खेल विरासत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब ने कई महान खिलाड़ी पैदा किए हैं और राज्य का खेलों से सदियों पुराना संबंध है। उन्होंने कहा, हमारे सिख गुरुओं ने खेलों के माध्यम से न केवल आध्यात्मिकता बल्कि शारीरिक फिटनेस को भी बढ़ावा दिया। श्री गुरु अंगद देव जी ने खडूर साहिब में शारीरिक फिटनेस के लिए मल्ल अखाड़ा स्थापित किया और उनकी देखरेख में कुश्ती व व्यायाम होते थे। श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने युवाओं को घुड़सवारी और तीरंदाजी में निपुण बनाया। गुरु गोबिंद सिंह जी उस समय की सभी प्रकार की खेलों और युद्ध-कला में पारंगत थे। आज भी खालसे की जन्म भूमि आनंदपुर साहिब में हर साल होला मोहल्ला के अवसर पर पारंपरिक खेलों का शानदार प्रदर्शन होता है।

# पश्चिम एशिया संकट के बीच हर स्रोत से तेल गैस जुटा रहा भारत, शांति ही समाधान: मोदी

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने के लिए भारत हर संभव स्रोत से कच्चा तेल और गैस जुटाने में लगा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य फोकस देश में ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के साथ-साथ कूटनीति के जरिए क्षेत्र में शांति बहाल करना है, क्योंकि लंबे समय तक जारी यह संकट गंभीर वैश्विक और आर्थिक दुष्परिणाम ला सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा है। भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरकों जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही वैश्विक व्यापार मार्गों पर भी दबाव बढ़ा है, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के फंसने से स्थिति और जटिल हो गई है।

उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रह रहे हैं, जिनकी सुरक्षा और आजीविका सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.75 लाख से अधिक

भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। ईरान से भी 1,000 से अधिक भारतीयों की वापसी हुई है, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हैं। हालांकि, कुछ भारतीयों की मृत्यु और घायल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनके परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि इस संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति से ही संभव है। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने पश्चिम एशिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से दो दौर की बातचीत की है। इसके अलावा भारत ईरान, इजराइल, अमेरिका और अन्य खाड़ी देशों के साथ लगातार संपर्क में बना हुआ है। भारत ने कमर्शियल जहाजों पर हमले और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों में बाधा को अस्वीकार्य बताया है।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है कि तेल, गैस और उर्वरकों से जुड़े जहाज सुरक्षित भारत पहुंचें। हाल के दिनों में कई देशों से कच्चे तेल और एलपीजी से भरे जहाज भारत पहुंचे हैं और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

ऊर्जा सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने इस दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। पहले जहां भारत 27 देशों से ऊर्जा आयात करता था, अब यह संख्या बढ़कर 41 हो गई है। इसके अलावा 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार विकसित किए गए हैं और इसे आगे बढ़ाने की दिशा में भी काम चल रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि देश में कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार और सप्लाई की मजबूत व्यवस्था मौजूद है।

मोदी ने कहा कि सरकार ईंधन के किसी एक स्रोत पर निर्भरता कम करने के लिए काम कर रही है। एलपीजी के साथ-साथ पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को बढ़ावा दिया जा रहा है और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर भी जोर है।

आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को हर क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करनी होगी। वर्तमान में देश का 90 प्रतिशत से अधिक व्यापार विदेशी जहाजों पर निर्भर है, जो संकट के समय जोखिम बढ़ाता है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने ह्यमेक इन इंडियाह्व के तहत लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की लागत से स्वदेशी जहाज निर्माण अभियान शुरू किया है।

### ट्रंप ने मोदी को किया फोन, पश्चिम एशिया के हालात पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में पिछले 25 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर विस्तृत चर्चा की और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के प्रयासों को लेकर संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें फोन कर पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर बातचीत की। भारत क्षेत्र में तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाली का समर्थन करता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला, सुरक्षित और सभी के लिए सुलभ रहना वैश्विक हित में आवश्यक है। मोदी और ट्रंप ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाली के प्रयासों को लेकर संपर्क में बने रहने पर भी सहमति जताई। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर इसका असर पड़ने की आशंका बनी हुई है। इसके पहले नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी ट्रंप और मोदी की बातचीत की जानकारी एक्स पर साझा की।

# रेलवे के नए टिकट कैंसिलेशन नियम लागू रिफंड सिस्टम हुआ आसान व पारदर्शी

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के नियमों को और सरल एवं पारदर्शी बना दिया है। अब यात्रियों को समय रहते अपनी टिकट की स्थिति की जानकारी मिल सकेगी और रिफंड प्रक्रिया भी पहले से आसान हो गई है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इन नए नियमों से यात्रियों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन में ह्यरिफॉर्म एक्सप्रेसह्ल पहल के तहत रेलवे में व्यापक सुधारों की घोषणा करते हुए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड नियमों में बड़े बदलाव का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य अंतिम समय की सट्टेबाजी बुकिंग पर रोक लगाना, वास्तविक यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराना और पारदर्शिता बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि चार्ट बनाने का समय अब 4 घंटे से बढ़ाकर 9 से 18 घंटे पहले कर दिया गया है। इससे यात्रियों को पहले ही पता चल जाएगा कि उनकी टिकट कन्फर्म हुई है या नहीं और वे समय रहते निर्णय ले सकेंगे।

नए कैंसिलेशन नियमों के तहत यदि कोई यात्री ट्रेन छूटने से 72 घंटे पहले टिकट रद्द करता है तो उसे न्यूनतम निर्धारित कटौती के बाद रिफंड

मिलेगा। 72 से 24 घंटे के बीच टिकट रद्द करने पर किराये का 25 प्रतिशत (न्यूनतम शुल्क के अधीन) काटा जाएगा। 24 से 8 घंटे के बीच टिकट रद्द करने पर किराये का 50 प्रतिशत (न्यूनतम शुल्क के अधीन) कटेगा। यदि टिकट ट्रेन छूटने से 8 घंटे से कम समय में रद्द किया जाता है, तो रिफंड नहीं मिलेगा या बहुत सीमित परिस्थितियों में ही अनुमति होगी।

रेलवे ने रिफंड प्रक्रिया को भी पूरी तरह आसान बना दिया है। अब ई-टिकट के लिए टीडीआर भरने की जरूरत खत्म कर दी गई है और टिकट रद्द होते ही रिफंड अपने आप प्रोसेस हो जाएगा। काउंटर टिकट अब देश के किसी भी रेलवे स्टेशन से रद्द कराए जा सकेंगे, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा, यात्रियों को और सुविधा देते हुए रेलवे ने यह भी निर्णय लिया है कि वे ट्रेन छूटने से 30 मिनट पहले तक अपना बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे। साथ ही, सीट उपलब्ध होने पर यात्री अपनी यात्रा की श्रेणी भी प्रस्थान से 30 मिनट पहले तक अपग्रेड कर सकेंगे।

रेल मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इन नियमों को यात्रियों पर अतिरिक्त बोझ बताया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है। इन सुधारों में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं जोड़ा गया है। इन पारदर्शी बदलावों से जहां यात्रियों को समय पर सही जानकारी मिल रही है, वहीं फर्जी टिकट बुकिंग करने वाले एजेंटों पर भी सख्ती से रोक लगी है।

# ऊर्जा संकट पर प्रधानमंत्री का बयान उलझाने वाला: कांग्रेस

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया संकट पर मंगलवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए वक्तव्य की आलोचना की। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री का 20 मिनट का बयान केवल बातों को उलझाने की कोशिश था, जबकि देश गहरे ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है।

खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री के बदलते और अलग-अलग कूटनीतिक रवैये से भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का

संतुलन बिगड़ गया है। इजराइल दौरे के बाद भारत को स्पष्ट कूटनीतिक परिणामों का सामना करना पड़ा है, लेकिन प्रधानमंत्री ने संसद और देश को भरोसे में नहीं लिया। उन्होंने पूछा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को वापस लाने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं?

उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में लगभग 37-40 भारतीय झंडे वाले जहाज फंसे हैं, जिनमें 1,100 नाविक और करीब 10,000 करोड़ रुपये का माल है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री के ईरानी नेतृत्व से बातचीत के बावजूद सुरक्षित रास्ता क्यों सुनिश्चित नहीं किया जा सका? चीन, रूस और जापान जैसे देशों को सुरक्षित मार्ग क्यों दिया जा रहा है, जबकि भारतीय जहाज संकट में हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दावा किया है कि भारत ने अपने ऊर्जा आयात को 27 से 41 देशों तक बढ़ाया है। वर्तमान में कौन से देश भारत को एलएनजी, एलपीजी और कच्चा तेल सप्लाई कर रहे हैं और कितनी मात्रा में?

खरगे ने कहा कि लड़ाई शुरू हुए आज 25 दिन हो चुके हैं और भारत को ऊर्जा संकट से निपटने के लिए बेहतर तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री की उस टिप्पणी पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने स्थिति की तुलना कोविड से की थी। खरगे ने कहा कि महामारी के दौरान देश ने भारी पीड़ा झेली थी और अब प्रधानमंत्री का यह कहना कि लोगों को फिर खुद संभालना होगा, बेहद चिंताजनक है।

# तेरह साल से कोमा में पड़े हरीश राणा को मिली इच्छामृत्यु, एम्स में ली अंतिम सांस

**एजेंसी (हि.स.)**
नई दिल्ली

देश में निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। एम्स ने जारी एक बयान में कहा कि हरीश राणा ने मंगलवार को शाम 4.10 मिनट पर अंतिम सांसें ली। वे समर्पित चिकित्सकों की टीम की देखरेख में थे और उन्हें ऑन्को-एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष, डॉ. (प्रो.) सीमा मिश्रा के नेतृत्व में पैलिएटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट (आईआरसीएच) में भर्ती कराया गया था। एम्स ने हरीश राणा के परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हरीश राणा का मामला देश में 'गरिमा के साथ मृत्यु के अधिकार' (राइट टू डाई विद डिग्निटी) पर एक ऐतिहासिक निर्णय माना गया था। हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को विशेष अनुमति देते हुए उनकी सम्मानपूर्वक मृत्यु के लिए एम्स प्रबंधन को जीवनरक्षक उपचार हटाने (लाइफ सपोर्ट विदड्रॉल) की इजाजत दी थी।

32 साल के हरीश राणा 13 साल पहले एक हादसे का शिकार हो गए थे। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हरीश राणा 20

अगस्त 2013 को हॉस्टल की चौथी मंजिल से नीचे गिर गए थे। इसके बाद से हरीश कोमा में चले गए थे। परिवार वालों ने खूब इलाज कराया पर हरीश के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। 13 साल से बिस्तर पर ही लाइफ स्पोर्ट सिस्टम के सहारे जिंदा थे। परिवार वालों ने इच्छामृत्यु के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया हरीश के पिता अशोक राणा ने सुप्रीम कोर्ट से बेटे के लिए इच्छामृत्यु की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों का पैनल गठित कर रिपोर्ट मांगी थी। इसके बाद 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा को इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी थी। 15 मार्च को हरीश राणा को दिल्ली एम्स लाया गया था। अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने धीरे धीरे लाइफ सपोर्ट सिस्टम को हटाना शुरू किया। मंगलवार को हरीश को हमेशा के लिए दर्द से राहत मिल गई। पैसिव यूथिनिसियाका देश में पहला मामला है।

# स्वार्थ की भावना से हो रहा युद्ध, नया रास्ता भारत से ही निकलेगा: मोहन भागवत

**एजेंसी(हि.स.)**
मथुरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने मंगलवार को अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर कहा कि अहंकार, बदला और स्वार्थ की भावना के कारण यह युद्ध हो रहा है। जो लड़ रहे हैं, वह अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि युद्ध से नुकसान होता है। अब उन्हें पछतावा हो रहा है, इसका नया रास्ता भारत से मिलेगा। केवल जड़वाद से काम नहीं चलेगा। अध्यात्म साथ लेना पड़ेगा।

संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत वृंदावन में रुक्मणि विहार में नवनिर्मित जीवनदीप आश्रम का लोकार्पण करने के बाद अपना संबोधन दे रहे थे।इससे पहले संघ प्रमुख डॉ भागवत के आश्रम पहुंचने पर बालिकाओं ने पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद महामंडलेश्वर यतीन्द्र गिरी महाराज (रुड़की) के सानिध्य में फीता काटकर एवं ठाकुरजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर आश्रम का शुभारंभ किया। वैदिक मंत्रोच्चारण और संतों के सानिध्य में आयोजित इस लोकार्पण कार्यक्रम में कई राज्यों के प्रमुख जनप्रतिनिधियों और संत समाज मौजूद रहा। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अतिथियों का मन मोह लिया।

अपने संबोधन में संघ प्रमुख डॉ भागवत ने कहा कि जीवन दीप आश्रम साधु-संतों की सेवा के साथ ध्यान, योग और क्रियायोग साधना का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने आश्रम परंपरा को भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर बताते हुए कहा कि यहां मिलने वाली शिक्षा व्यक्ति के जीवन को तेजस्वी और ओजस्वी बनाती है। उन्होंने आगे कहा कि आश्रम और गुरुकुल की शिक्षा पद्धति

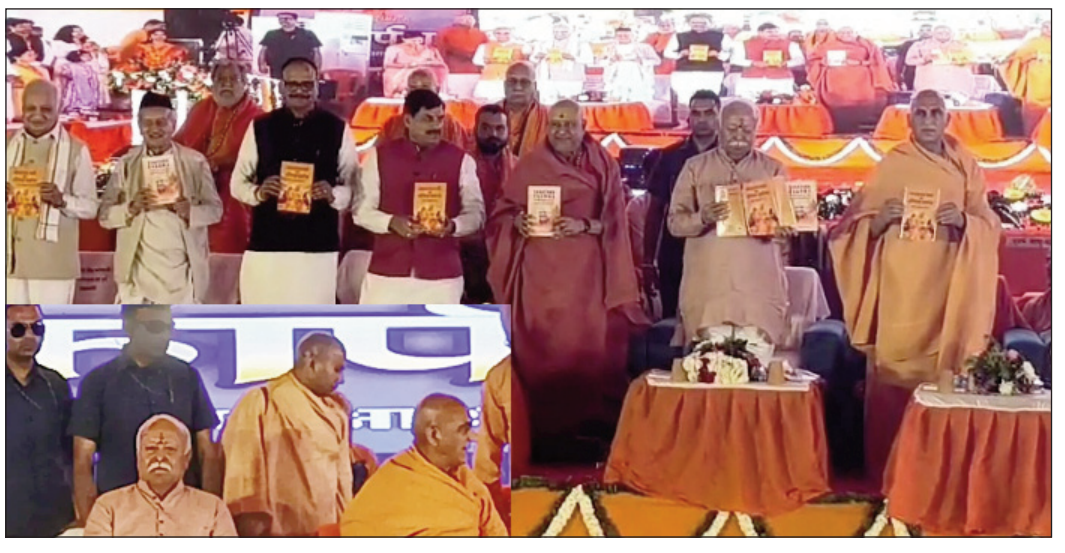

सर्वोत्तम है और जीवनदीप आश्रम इस दिशा में एक मजबूत आधार सिद्ध होगा। संघ प्रमुख ने देश को घुसपैठियों से भी बचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को हमें पहचानने में देर नहीं लगेगी। विदेशी ऐसे नागरिक जो अवैध रूप से रह रहे हैं, उन्हें चिन्हित करके अधिकारियों से जांच करवाएं और ऐसे लोगों को अपने यहां कोई काम भी न दें। जिससे देश के नागरिकों के अधिकारों का हनन होने से बच सके। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हमारी संस्कृति में आक्रमकता नहीं है, जबकि दुनिया की संस्कृति में आक्रामकता है।

कार्यक्रम में बिहार के पूर्व राज्यपाल मोहम्मद आरिफ ने खान ने कहा कि वृंदावन की पावन भूमि पर स्वामीजी के आश्रम का उद्घाटन के मौके परमौजूद रहने का अवसर मुझे मिला। उन्होंने कहाकि मैं केवल इतना ही कहूंगा कि ब्रज की धरती को साधु-संतों ने सींचा है। ब्रज की धरती पर साधु-संतों से हमेशा आशीर्वाद बना रहा है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वृंदावन की पावन भूमि पर स्वामी यतींद्रानंद गिरी महाराज को आश्रम स्थापित करने की बधाई देता हूं। मैं उन्हें वर्ष 2028 में मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित होने वाले कुंभ के लिए भी निमंत्रण देता हूं।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि स्वामी यतींद्रानंद गिरि महाराज ने सनातन धर्म के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया और कई आश्रम देश में बने हैं। उन्होंने और अन्य साधु-संतों ने हमेशा से देश की संस्कृति को बचाने और मार्गदर्शन करने का काम किया है।कार्यक्रम के दौरान यतीन्द्र गिरी महाराज की हिंदी और अंग्रेजी में लिखित पुस्तक का भी विमोचन किया गया। आयोजन स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम थे और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंदजी महाराज और साध्वी ऋतंभरा सहित अनेक संत, श्रद्धालु और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# सरकार ने तीन वर्षों में विज्ञापनों पर 22.87 करोड़ रुपये खर्च किए: सुक्खू

## सीएम ने कहा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में विज्ञापन से संबंधित कोई नई व्यवस्था लागू नहीं की

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार ने अपने तीन साल के कार्यकाल में 31 अक्तूबर 2025 तक विभिन्न विभागों, निगमों और बोर्डों के माध्यम से अलग-अलग प्रकार के विज्ञापनों पर कुल 22 करोड़ 87 लाख रुपये से अधिक की राशि खर्च की है। उन्होंने यह जानकारी मंगलवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक सुधीर शर्मा के सवाल का जवाब देते हुए दी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में विज्ञापन से संबंधित कोई नई व्यवस्था लागू नहीं की गई है और वर्ष 2017 से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार ही काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुल खर्च में से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का हिस्सा लगभग 14 करोड़ रुपये है, जबकि बाकी खर्च अन्य विभागों द्वारा किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पिछली भाजपा सरकार के मुकाबले वर्तमान सरकार ने विज्ञापनों पर कम खर्च किया है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि पूर्व की भाजपा सरकार ने अपने तीन साल के कार्यकाल में लगभग 28 करोड़ रुपये विज्ञापनों पर खर्च किए थे, जबकि वर्तमान सरकार का खर्च इससे काफी कम है। उनके अनुसार मौजूदा सरकार ने पिछले कार्यकाल की तुलना में लगभग आधा खर्च किया है। विधानसभा में विधायक सुधीर शर्मा ने सरकार से यह भी पूछा कि क्या इस वित्त वर्ष में ऐसी जगहों की पहचान की जाएगी जहां सरकारी होर्डिंग्स लगाए जा सकें और उनके लिए कोई तय दरें निर्धारित की जाएंगी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार होर्डिंग्स लगाने के लिए नियम तय करने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि अभी कई बार राजनीतिक दल अपने स्तर पर भी होर्डिंग्स लगा देते हैं, जिससे कुछ दिक्कतें सामने आती हैं, इसलिए इस व्यवस्था को व्यवस्थित करने की जरूरत है।

### श्री नैना देवी मंदिर के लिए बनेगा बड़ा मास्टर प्लान : मुख्यमंत्री सुक्खू

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश सरकार ने श्री नैना देवी मंदिर के लिए जल्द एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख मंदिरों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है और श्री नैना देवी मंदिर के लिए एक साल के भीतर विस्तृत योजना तैयार की जाएगी। विधानसभा में मंगलवार को विधायक रणधीर शर्मा के सवाल पर हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने इस साल के बजट में श्री नैना देवी मंदिर और ज्वालामुखी मंदिर के लिए अलग-अलग 25-25 लाख रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लिफ्ट लगाने का भी प्रावधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि श्री नैना देवी मंदिर परिसर में दुकानों के लिए उचित स्थान तय किया जाएगा और श्रद्धालुओं के लिए वॉशरूम जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अगले छह महीने के भीतर वास्तुकार से मास्टर प्लान तैयार करवाया जाएगा। इसके अलावा मंदिर न्यास समिति की बैठकों में स्थानीय विधायकों को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया जाएगा।

# सीएम मीडिया सलाहकार के बेटे पर हमले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, प्रॉपर्टी डीलर निकला तीसरा आरोपी

- अवैध हथियार और 10 जिंदा कारतूस बरामद

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान के बेटे आर्यन चौहान पर हमले और अपहरण की कोशिश के मामले में शिमला पुलिस ने तीसरे और मुख्य साजिशकर्ता आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इस पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड 46 वर्षीय मनीश वर्मा उर्फ मनु है। वह प्रॉपर्टी डीलिंग और ठेकेदारी का काम करता है। पुलिस इससे पहले इस मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को अहम सफलता मिली है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मनीश वर्मा उर्फ मनु पुत्र स्वर्गीय हीरा सिंह मूल रूप से शिमला जिला के ठियोग उपमंडल के गांव जधेड़ी का निवासी है और वर्तमान में चकदेहल भट्टाकुफर, शिमला में रह रहा था। जांच में सामने आया है कि इसी आरोपी ने पूरी वारदात की योजना बनाई थी और पीड़ित आर्यन चौहान की गतिविधियों पर पहले से नजर रखी जा रही थी। आरोपी ने उनकी दिनचर्या, आने-जाने के समय और स्थानों की जानकारी जुटाकर अन्य साथियों के साथ मिलकर अपहरण और फिरौती की साजिश रची थी। पुलिस ने बताया कि कार्रवाई के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध हथियार और 10 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। उसके खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट के तहत चरस तस्करी का मामला दर्ज है। इसके अलावा चौकीदार को बांधकर टिंबर चोरी करने, चोरी के अन्य मामलों, घर में घुसकर चोरी करने और अपहरण व मारपीट जैसे कई मामलों में भी उसके खिलाफ पहले एफआईआर दर्ज रही हैं। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और वारदात के पीछे की असली वजह का पता लगाने में जुटी है।

पुलिस का कहना है कि तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और लगातार छापेमारी के बाद पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था और अब मुख्य साजिशकर्ता को भी पकड़ लिया गया है। इस गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच और तेज कर दी गई है और यह पता लगाया जा रहा है कि वारदात के पीछे केवल फिरौती की योजना थी या इसके पीछे कोई और कारण भी जुड़ा हुआ था। इससे पहले पुलिस ने इस मामले में दो अन्य आरोपियों 48 वर्षीय चरणजीत सिंह निवासी मैन बाजार संजौली और 45 वर्षीय ताशी नेगी निवासी वीपीओ नारकंडा, तहसील कुमारसैन को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार इन दोनों आरोपियों ने भी वारदात को अंजाम देने में भूमिका निभाई थी। जांच के दौरान यह भी सामने आया था कि आरोपियों ने घटना में इस्तेमाल की गई सफेद आल्टो कार पर लगे पहचान चिन्ह मिटा दिए थे और नंबर प्लेट भी फर्जी लगाई गई थी। जिससे उनकी पहचान छिपाई जा सके। यह मामला 20 मार्च को उस समय सामने आया था, जब आर्यन चौहान ने थाना ढली में शिकायत दर्ज करवाई थी कि तारापुर सड़क पर उनकी कार को रोककर तीन संदिग्ध लोगों ने हथियार दिखाकर लूटपाट और फिरौती की कोशिश की।

## प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही प्रदेश सरकार : संजीव गुलेरिया

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी में जिला स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता करते हुए एपीएमसी मंडी के अध्यक्ष संजीव गुलेरिया ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि विभाग मंडी द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) परियोजना के माध्यम से आयोजित इस मेले में जिले के विभिन्न विकास खंडों से आए सैकड़ों किसानों ने भाग लिया।

संजीव गुलेरिया ने कहा कि इस तरह के मेलों का आयोजन जिला के सभी विधानसभा क्षेत्रों में किया जाएगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा प्रस्तुत इस बार के बजट में गाय के दूध का समर्थन मूल्य 61 रुपए प्रति लीटर तथा भैंस के दूध का मूल्य 71 रुपए प्रति लीटर किया गया है। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक खेती से उगाए अदरक का समर्थन मूल्य 30 रुपए प्रति किलोग्राम तथा हल्दी का समर्थन मूल्य 90 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलोग्राम किया गया है। वहीं 0 गेहूं का समर्थन मूल्य 60 रुपए और मक्की का 50 रुपए किया गया है, जिससे किसानों की आर्थिकी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के इस वर्ष के बजट का फोकस ग्रामीण उत्थान, किसानों, महिलाओं और युवाओं के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है।

### पुंछ जिला पुलिस ने भारत दर्शन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

**पूंछ।** पुंछ जिला पुलिस ने आज एक समारोह में भारत दर्शन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस समारोह का उद्देश्य प्रतिभागियों में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक अनुभव और जागरूकता को बढ़ावा देना है। यात्रा को पुंछ के अतिरिक्त एसपी मोहन लाल शर्मा (जेकेपीएस) ने पुंछ मुख्यालय के डीएसपी नीरज शर्मा, पुंछ के डीएसपी डीएआर शशिकांत रैना और पुंछ जिला पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हरी झंडी दिखाने के समारोह के दौरान अधिकारियों ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उन्हें देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्थलों और विविध परंपराओं के बारे में जानकर इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। भारत दर्शन यात्रा के माध्यम से प्रतिभागी भारत भर के विभिन्न प्रमुख शहरों और राष्ट्रीय महत्व के स्थानों का भ्रमण कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाना, विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देना और राष्ट्र के प्रति उनके जुड़ाव को मजबूत करना है। सभा को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने युवाओं के दृष्टिकोण को आकार देने और उन्हें समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करने में इस प्रकार के अनुभवात्मक दौरों के महत्व पर जोर दिया।

## कानून और संविधान की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है: पुरेंद्र वैद्य

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

जिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई मंडी में एक दिवसीय उपभोक्ता अधिकार एवं साइबर क्राइम जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हिमाचल प्रदेश उपभोक्ता मंच मंडी तथा आईटीआई मंडी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष पुरेंद्र वैद्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान में उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी और युवाओं का जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कानून और संविधान की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है, जिससे समाज में नियम और व्यवस्था कायम रहती है तथा सभी धर्मों और वर्गों के लोग सम्मानपूर्वक जीवन-यापन कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं को मौलिक अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का संदेश भी दिया। विशेष अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राइम, सेंट्रल रेंज मंडी मनमोहन सिंह ने साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनसे बचने के लिए सतर्कता और जागरूकता बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम में प्रदेश उपभोक्ता संघ के प्रधान विनोद कुमार, अधिवक्ता आकाश शर्मा पूर्व सदस्य, जिला उपभोक्ता मंच मंडी, पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन नीरज कपूर, अधिवक्ता ललित ठाकुर, उपभोक्ता संघ के सचिव अधिवक्ता मनवीर पठानिया तथा अधिवक्ता कुमारी स्नेहा ने प्रशिक्षुओं को उपभोक्ता अधिकारों, शिकायत निवारण प्रणाली एवं साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

## 21वीं सदी के लिए जरूरी चार कौशल क्रिटिकल थिंकिंग, रचनात्मकता, संवाद और सहयोग: प्रो. अवस्थी

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के राजकीय महाविद्यालय बासा, गोहर में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़े उत्साह, गर्व और शैक्षणिक वातावरण के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. ललित कुमार अवस्थी कुलपति सरदार पटेल यूनिवर्सिटी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पूरण चौहान ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्रो. अवस्थी ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह दिन केवल पुरस्कार लेने का नहीं, बल्कि मेहनत, लगन और निरंतर सीखने की भावना को पहचानने का दिन है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर छात्र एक बनती हुई कहानी है और सफलता एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। प्रो. अवस्थी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में बताते हुए कहा कि यह शिक्षा में एक बड़ा बदलाव है, जो समग्र, लचीली और बहु-विषयक शिक्षा पर जोर देती है। उन्होंने 21वीं सदी के लिए जरूरी चार कौशल क्रिटिकल थिंकिंग, रचनात्मकता, संवाद और सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या वे केवल परीक्षाओं के लिए पढ़ रहे हैं या जीवन के लिए तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिए धैर्य, आत्मविश्वास, साहस और अच्छा चरित्र जरूरी है। उन्होंने छात्रों को पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर संवाद कौशल, डिजिटल ज्ञान, समस्या समाधान और नेतृत्व क्षमता विकसित करने की सलाह दी। प्रो. अवस्थी ने विद्यार्थियों को उद्यमिता और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि वे नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने मंडी क्षेत्र में ईको-टूरिज्म, जैविक खेती, हस्तशिल्प और डिजिटल सेवाओं में अवसरों का उल्लेख करते हुए स्थानीय संसाधनों को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए प्रेरित।

### रियासी जिले में भीषण सड़क हादसा, भाई-बहन सहित 3 लोगों की मौत

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर में एक कार गहरी खाई में गिरने की घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार जम्मू के रियासी जिले में गत सोमवार रात एक भीषण सड़क हादसा सामने आया जहां एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में भाई-बहन सहित 3 लोगों की जान चली गई जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना माहोर क्षेत्र के रामकुंडा मोड़ के पास हुई। कार गुल से महोर की ओर जा रही थी तभी एक खतरनाक मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा जिससे कार सीधे खाई में गिर गई। हादसे में 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की पहचान हक्कनवाज (22), उनकी बहन शारिजा राही (18) पुत्री मोहम्मद शफी निवासी महाकुंड और रिश्तेदार रिफाकत हुसैन (15) पुत्र मोहम्मद रफी निवासी महाकुंड के रूप में हुई है। वहीं अन्य घायलों का इलाज महोर अस्पताज में जारी है जिनमें उमर गुल (21) पुत्र मोहम्मद शफी निवासी महाकुंड, शाजिया कौसर (18) पुत्री लियाकत अली निवासी दचछन्न, सद्दाम हुसैन (22) पुत्र गुलाम हुसैन निवासी गूल।

## एलजी सक्सेना ने वीरों को श्रद्धांजलि दी और भारतीय सेना के साहस को सराहा

एजेंसी (हि.स.)
लेह

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मंगलवार को हॉल ऑफ फेम का दौरा किया और युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र की सेवा में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उपराज्यपाल का स्वागत 14 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला ने किया। इस अवसर पर सक्सेना ने अत्यंत कठिन और प्रतिकूल परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि शत्रु सेनाओं के विरुद्ध देश की रक्षा करते हुए सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों को सदा कृतज्ञता और सम्मान के साथ याद रखा जाना चाहिए उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता, गौरव और गरिमा के लिए प्राणों की आहुति देने वाले सशस्त्र बलों के शहीदों को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। हम भारतीय शहीदों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता के ऋणी हैं। लेह स्थित हॉल ऑफ फेम हमारे सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को सही मायने में गौरवान्वित करता है। भारतीय सेना के साहस और शौर्य की सराहना करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि सैनिक शून्य से नीचे के तापमान और चुनौतीपूर्ण भूभाग में भी देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए और देशभक्ति का एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

## संक्षिप्त-समाचार

### मृतक के खाते से पैसे निकालने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

**श्रीनगर।** दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में पुलिस ने एक मृतक के बैंक खाते से कथित तौर पर पैसे निकालने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान तारकावांगम निवासी मुदस्सर हसन शाह के रूप में हुई है। वह मृतक ग्राहक के खाते से धोखाधड़ी करके पैसे निकालने में शामिल पाया गया। यह मामला तारकावांगम स्थित जम्मू और कश्मीर बैंक की एक शाखा में वित्तीय अनियमितताओं की व्यापक जांच से जुड़ा होने के कारण सुर्खियों में आया है जहां पहले कई ग्राहकों के खातों से पैसे गायब हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला पिछले साल कई बैंक खातों में गड़बड़ी की रिपोर्ट के बाद सामने आया जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और शाखा प्रबंधक को गिरफ्तार कर उसकी संपत्ति जब्त कर ली गई। एक अलग शिकायत में जैनापोरा पुलिस स्टेशन ने एक महिला के इस आरोप के बाद एक और जांच शुरू की कि उसके दिवंगत पिता के बैंक खाते से उनकी मृत्यु के तुरंत बाद पूरी राशि निकाल ली गई थी। शिकायतकर्ता मोहम्मद यूसुफ शाह की बेटी जरीफा ने बताया कि उसे 13 जनवरी को उनके पिता की मृत्यु के एक दिन बाद 14 जनवरी, 2019 को पता चला कि उनके खाते से सारी रकम निकाल ली गई थी। पुलिस ने बताया कि इसमें लगभग 5 लाख की राशि शामिल थी जिसे कथित तौर पर आरोपी के रिश्तेदारों के खातों में स्थानांतरित कर दिया गया था।

### गांदरबल पूलिस ने शहीद इंस्पेक्टर मुश्ताक अहमद बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

**गांदरबल।** नागरिक कार्रवाई के तहत गांदरबल पुलिस ने शहीद इंस्पेक्टर मुश्ताक अहमद बाबा टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया खेल भावना और युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल के तहत गांदरबल पुलिस ने आज नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम के अंतर्गत गांदरबल के कमरिया स्टेडियम में शहीद इंस्पेक्टर मुश्ताक अहमद बाबा टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन गांदरबल के एसएसपी खलील अहमद पोसवाल (जम्मू के केपीएस) ने किया। उद्घाटन मैच राइजिंग स्टार बदरकुंड और शल्लाबुघ ब्लास्टर्स के बीच खेला गया। जिले भर से कुल 32 टीमें इस टूर्नामेंट में भाग ले रही है जो खेल गतिविधियों में स्थानीय युवाओं के उत्साह और सक्रिय भागीदारी को दशार्ता है। इस अवसर पर एसएसपी गांदरबल ने भाग लेने वाली टीमों से बातचीत की और युवाओं में अनुशासन, टीम वर्क और सकारात्मक सोच विकसित करने में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस तरह की पहल न केवल युवा प्रतिभाओं को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का मंच प्रदान करती है बल्कि उनकी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों की ओर निर्देशित करने का एक साधन भी है। भाग लेने वाले खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के आयोजन और उन्हें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में भाग लेने का अवसर प्रदान करने के लिए गांदरबल पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन को स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली जिससे टूर्नामेंट की शानदार शुरूआत हुई।

### पुंछ पुलिस ने कई आपराधिक मामलों में गिरफ्तारी से बच रहे पांच भगोड़ों को पकड़ा

**पुंछ।** पुंछ पुलिस ने मंगलवार को कई आपराधिक मामलों के सिलसिले में काफी समय से गिरफ्तारी से बच रहे पांच भगोड़े घोषित अपराधियों को पकड़ा है' एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि घोषित अपराधियों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अभियान में सुरनकोट पुलिस स्टेशन ने एसडीपीओ सुरनकोट की करीबी निगरानी में पांच भगोड़ों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है जो विभिन्न आपराधिक मामलों के संबंध में काफी समय से गिरफ्तारी से बच रहे थे। प्रवक्ता ने गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुरनकोट के सांगला निवासी मोहम्मद बशीर के बेटे बशारत हुसैन के रूप में की है जो धारा 452, 382, 148, 324, 325 और 147 आरपीसी के तहत एफआईआर संख्या 207/2018 में शामिल था और 3 दिसंबर, 2024 को भगोड़ा घोषित किया गया था। अन्य आरोपियों में मोहम्मद शरीफ का बेटा मोहम्मद इकबाल बाग हुसैन के पुत्र गुलाम अहमद; और मोहम्मद शरीफ, फतेह मोहम्मद का बेटा, जाति से एक गुज्जर, सभी हरि, सुरनकोट के निवासी, जो धारा 452, 147, 148, 324 और 323 आरपीसी के तहत एफआईआर संख्या 284/2018 में शामिल थे और 29 दिसंबर, 2018 को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। एक अन्य आरोपी मोहम्मद अकरम पुत्र अब्दुल्ला, सांगला, सुरनकोट का निवासी, एफआईआर संख्या 243/2012 में धारा 341, 323 और 324 आरपीसी के तहत शामिल था और 30 मार्च, 2017 को भगोड़ा घोषित किया गया था।

### ट्यूलिप गार्डन के खुलते ही दिन प्रतिदन लोगों की बढ़ रही भारी भीड़

**श्रीनगर।** ट्यूलिप गार्डन के खुलते ही दिन प्रतिदन लोगों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। डायरेक्टर फ्लोरीकल्चर कश्मीर, मथोरा मासूम ने मंगलवार को बताया कि 16 मार्च को आम लोगों के लिए खोले जाने के बाद से ट्यूलिप गार्डन में आने वाले विजिटर्स की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। मासूम ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा औपचारिक उद्घाटन से पहले भी बड़ी संख्या में लोग गार्डन घूमने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और खुलने के बाद से भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। मथोरा मासूम ने आगे कहा कि शुरूआती दिनों में कभी-कभी बारिश हुई जिससे विजिटर्स की आवाजाही पर थोड़ा असर पड़ा लेकिन बारिश के बाद गार्डन और भी ज्यादा खूबसूरत दिखता है और ज्यादा लोगों को अपनी ओर खींचता है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे दिन विजिटर्स की संख्या बढ़ती रहती है, खासकर वीकेंड पर और ईद की छुट्टियों के दौरान जब विजिटर्स की भारी भीड़ होती है।

## इंडो-यूएस ट्रेड डील पर रामबन में मंथन किसानों की चिंताओं पर गहन चर्चा

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

रामबन के डाक बंगले में आज जेकेपीसीसी किसान विभाग के चेयरमैन भारत प्रिये की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें इंडो-यूएस ट्रेड डील के जम्मू-कश्मीर के किसानों पर संभावित प्रभाव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में स्थानीय नेताओं, कृषि विशेषज्ञों और किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बदलती व्यापारिक परिस्थितियों पर अपनी चिंता जताई। इस अवसर पर पूर्व विधायक अशोक डोगरा, जिला रामबन चेयरमैन हुकम चंद, प्रदीप कटोच सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रगतिशील किसान मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए भारत प्रिये ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते, विशेष रूप से कृषि क्षेत्र से जुड़े स्थानीय किसानों पर दूरगामी प्रभाव डालते हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की विशेष भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इन समझौतों का सावधानीपूर्वक आकलन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अनियंत्रित आयात नीतियां स्थानीय उत्पादों को नुकसान पहुंचा सकती हैं क्योंकि विकसित देशों के सब्सिडी वाले उत्पादों से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उचित नीतिगत सुरक्षा के साथ क्षेत्र के उच्च मूल्य वाले और विशिष्ट फसलों के निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं।

स्थापना दिवस

## उपलब्धियों के साथ भविष्य की दिशा पर जोर

# आईआईटी मंडी का 17वां स्थापना दिवस 30 मार्च को

- नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति यात्रा को दर्शाने वाला एक अवसर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी आईआईटी मंडी अगाामी 30 मार्च को अपना 17वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है, जो उसकी शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार

और राष्ट्र-निर्माण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस समारोह में शिक्षा, उद्योग और सार्वजनिक सेवा से जुड़े प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी। इस अवसर के मुख्य अतिथि होंगे क्रिस गोपालकृष्णन, पद्म भूषण से सम्मानित, इन्फोसिस लिमिटेड के सह-संस्थापक और एक्सिलर वेंचर्स के चेयरमैन। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ओसामा खतीब, निदेशक, स्टैनफोर्ड रोबोटिक्स लैब, अमेरिका, भी शामिल होंगे, जो सभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर आईआईटी मंडी के निदेशक लक्ष्मीधर बेहरा ने कहा स्थापना दिवस हमारे विकास, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की यात्रा को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर है। पिछले सोलह वर्षों में आईआईटी मंडी ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्रभावशाली अनुसंधान के केंद्र के रूप में निरंतर प्रगति की है। इस दिन को मनाते हुए हम प्रतिभा के संवर्धन, ज्ञान के विस्तार और समाज एवं राष्ट्र के प्रति सार्थक योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में टिमोथी गोंसाल्वेस, संस्थापक निदेशक, आईआईटी मंडी, अजीत कुमार चतुर्वेदी, कुलपति, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, तथा विनय कुमार पाठक, कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल के. जे. एस. ढिल्लों सेवानिवृत्त, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी मंडी द्वारा की जाएगी। वर्ष 2009 में स्थापित आईआईटी मंडी एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभरा है, जो बहु-विषयक शिक्षा और अत्याधुनिक अनुसंधान पर अपने मजबूत फोकस के लिए जाना जाता है। कमांद घाटी की सुरम्य वादियों में स्थित यह संस्थान नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने वाला एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर चुका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और सतत प्रौद्योगिकियों जैसे उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए, आईआईटी मंडी विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाने में निरंतर अग्रसर है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्योन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।

संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

# भारत की तरक्की के दो मजबूत स्तंभ—निजी क्षेत्र और करदाता: नवीन जिन्दल

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र से सांसद श्री नवीन जिन्दल ने आज लोकसभा में वित्त विधेयक 2026 का जोरदार समर्थन करते हुए इसे एक परिवर्तनकारी और दूरदर्शी रोडमैप बताया, जो 140 करोड़ भारतीयों के भविष्य को आकार देगा। उन्होंने जोर दिया कि भारत की विकास गाथा करदाताओं और निजी क्षेत्र की संयुक्त शक्ति से संचालित हो रही है—और दोनों ही राष्ट्र निर्माण के अपरिहार्य भागीदार हैं।

वित्त विधेयक को केवल एक वित्तीय अभ्यास से कहीं अधिक बताते हुए, श्री जिन्दल ने कहा कि यह किसानों को सशक्त बनाने, युवाओं को सक्षम करने, महिलाओं की गरिमा बढ़ाने और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती सुनिश्चित करने के माध्यम से समावेशी और सतत विकास की नींव रखता है। उन्होंने कहा, यह विधेयक किसी एक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य के लिए है, और इसके लाभ हर नागरिक तक पहुँचेंगे।

निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, श्री जिन्दल ने कहा कि यह देश में 80% से अधिक रोजगार और 60% से अधिक जीडीपी में योगदान देता है, साथ ही नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि भारत का आईटी निर्यात 200 अरब डॉलर से अधिक हो चुका है, फार्मास्युटिकल क्षेत्र 200 से अधिक देशों की सेवा कर रहा है, और देश में आज एक लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप और 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। उन्होंने कहा, निजी क्षेत्र केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक मजबूत स्तंभ है।

श्री जिन्दल ने करदाताओं के प्रति सोच में बदलाव की भी आवश्यकता बताई और अधिक सम्मानजनक तथा नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की वकालत की। उन्होंने अनुपालन में सुधार का उल्लेख करते हुए कहा कि जीएसटी करदाताओं की संख्या 1.5 करोड़ से अधिक हो चुकी है और वित्त वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ से अधिक रहा। उन्होंने कहा, करदाता कोई संदिग्ध नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भागीदार हैं। उनके योगदान का सम्मान होना चाहिए।अपने व्यक्तिगत अनुभवों का उल्लेख करते हुए, श्री जिन्दल ने भारत की आर्थिक मजबूती की तुलना किसानों की दृढ़ता से की, जो चुनौतियों के बावजूद निरंतर कार्य करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के बावजूद भारत ने मजबूत पुनरुद्धार दिखाया है।

सतत विकास और जीवन की गुणवत्ता पर जोर देते हुए, उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की वकालत की, ताकि रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो, सब्सिडी का बोझ घटे और स्वस्थ खाद्य प्रणाली सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि विकास को केवल जीडीपी से नहीं, बल्कि दैनिक जीवन में सुधार से मापा जाना चाहिए।हमें आंकड़ों से आगे बढ़कर यह देखना होगा कि हम क्या खाते हैं, जो हवा हम लेते हैं, जो पानी हम पीते हैं, और जीवन की समग्र गुणवत्ता क्या है।

वित्त विधेयक के प्रावधानों का स्वागत करते हुए, श्री जिन्दल ने कर व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुधारों का सुझाव भी दिया। इनमें परिवारों के लिए संयुक्त कर दाखिल करने की व्यवस्था, विवाद से विश्वास जैसी विवाद समाधान प्रणालियों को संस्थागत रूप देना, कर विवादों के त्वरित और संरचित समाधान को बढ़ावा देना, तथा कर नोटिसों को सरल, पारदर्शी और सम्मानजनक बनाना शामिल है।

अपने संबोधन के अंत में, श्री जिन्दल ने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर एकजुटता की अपील की, ताकि भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में तेजी लाई जा सके। उन्होंने कहा, हमारे विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्र निर्माण के मामले में हमें साथ आगे बढ़ना होगा, और वित्त विधेयक 2026 को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

# कला समाज की वास्तविकताओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम: सौरभ चौधरी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में ललित कला विभाग में विद्यार्थियों द्वारा आयोजित समूह प्रिंटमेकिंग प्रदर्शनी मुद्रांकन का उद्घाटन मंगलवार को विभाग के संग्रहालय एवं कला दीर्घा में किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार एवं हरियाणा इंटरनेशनल गीता जयंती मेला प्राधिकरण के सदस्य सौरभ चौधरी ने किया।

अपने उद्बोधन में सौरभ चौधरी ने विद्यार्थियों के रचनात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए प्रिंटमेकिंग में उनके नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कला समाज की वास्तविकताओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवा कलाकारों को विभिन्न कलात्मक तकनीकों के साथ निरंतर प्रयोग करने और अपनी रचनात्मकता को नई दिशा देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर ललित कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. गुरचरण सिंह ने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सृजनात्मकता के असीम आयामों को खोजते रहना ही कलाकार की पहचान है।उन्होंने कहा कि कलाकार का हर ब्रशस्ट्रोक और हर विचार ललित कला के भविष्य को आकार देने की क्षमता रखता है।

प्रदर्शनी में छह छात्र कलाकारों नैन्सी (लाडवा, हरियाणा), अर्श सैनी (शाहाबाद, हरियाणा), देबाशीष बरुआ (असम), विकास सिंह चौधरी (जम्मू), कुलवंत (हरियाणा) और विकास कुमार (शिमला) के कार्य प्रदर्शित किए गए हैं। इन कलाकारों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों को एक मंच पर प्रस्तुत करते हुए एचिंग, वुडकट, लिथोग्राफी तथा अन्य प्रयोगात्मक प्रिंटमेकिंग तकनीकों का उपयोग किया है। प्रत्येक कलाकार की अपनी विशिष्ट दृष्टि देखने को मिलती है। नैन्सी की कृतियाँ मानव जीवन और प्रकृति के पारस्परिक संबंध को दशार्ती हैं, जबकि अर्श सैनी विकास के दृश्य रूप और छिपी सामाजिक वास्तविकताओं के बीच के विरोधाभास पर प्रश्न उठाते हैं। विकास कुमार दैनिक जीवन के अनुभवों और सामाजिक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं। देबाशीष बरुआ अपनी कृतियों में सीमाओं में बंधे होने की भावना को अभिव्यक्त करते हैं। वहीं विकास सिंह चौधरी बचपन की स्मृतियों को ब्रह्मांडीय विचारों से जोड़ते हैं और कुलवंत आत्म-पहचान को परतदार दृश्य रूपों के माध्यम से तलाशते हैं।इस अवसर पर डॉ. राकेश बानी, डॉ. ईशु जिंदल, डॉ. पवन कुमार, डॉ. मोनिका गुप्ता, डॉ. राकेश कुमार सिंह, डॉ. जया दारोंडे तथा डॉ. सुशील कुमार सहित विभाग के अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे और उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

# प्रदेश में करीब 3 लाख लड़कियों को मून पैपिलोमावायरस वैक्सीन नि:शुल्क लगाई जाएगी : आरती सिंह राव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

-हरियाणा की स्वाथ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि प्रदेश में करीब 3 लाख लड़कियों को मन पैपिलोमावायरस वैक्सीन निःशुल्क लगाई जाएगी। अब तक लगभग 3280 किशोर लड़कियों को यह वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

आरती सिंह राव ने बताया कि फिलहाल, 14 साल की लड़कियों की सही लिस्ट बनाने के लिए सभी जिलों में हेड काउंट सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य में टारगेट किशोर लड़कियों की संख्या कुल आबादी का 1 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 28 फरवरी, 2026 को हरियाणा में मून पैपिलोमा वायरस (लढश) वैक्सीन लॉन्च की थी। यह इंजेक्शन लढश के टाइप 16 और 18 से सुरक्षा देता है, जो सर्वाइकल कैंसर के लिए ज़िम्मेदार हैं, साथ ही टाइप 6 और 11 से भी सुरक्षा देता है। इसके टारगेट लाभार्थी वे किशोर लड़कियां हैं जिन्होंने 14 साल की उम्र पूरी कर ली है, लेकिन अभी 15 साल की नहीं हुई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि वैक्सीन देने से पहले, सभी मेडिकल और पैरा-मेडिकल स्टाफ यह सुनिश्चित करें कि वैक्सीन लगवाने वाली किशोरी टीकाकरण के समय खाली पेट न हों। माता-पिता को सलाह दी जानी चाहिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि वैक्सीन लगवाने वाली किशोरी खाली पेट न हों, या टीकाकरण से पहले उन्हें कुछ खाने के लिए दें। सेशन वाली जगह पर उन किशोरियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई है, जिन्होंने घर पर नाश्ता नहीं किया है।

उन्होंने बताया कि टीकाकरण के बाद यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि वैक्सीन लगवाने वाली किशोरियां 30 मिनट तक वहीं रुकें। सेशन वाली जगहों पर ऑब्जर्वेशन रूम में ऐसी गतिविधियों की व्यवस्था की गई है, जो किशोरियों का ध्यान टीकाकरण के बाद होने वाले दर्द और घबराहट से हटा सकें। तनाव से जुड़ी प्रतिक्रियाओं की संभावना को कम करने के लिए भीड़भाड़ कम से कम रखें।

आरती सिंह राव ने आगे कहा कि प्रोग्राम के दिशा-निर्देशों के अनुसार, केवल उन्हीं किशोरियों को वैक्सीन लगाएं जिन्होंने 14 साल की उम्र पूरी कर ली है, लेकिन अभी 15 साल की नहीं हुई हैं। टीकाकरण से पहले माता-पिता/अभिभावकों से डळढ-आधारित सहमति या लिखित सहमति प्राप्त करें। वैक्सीन लगाने से पहले लाभार्थियों की गर्भावस्था, पहले एचपीवी टीकाकरण, गंभीर एलर्जी, या मध्यम/गंभीर बीमारी के लिए स्क्रीनिंग की जाती है। टीकाकरण सेशन निर्धारित केंद्रों (ढल्ढउ स्तर तक) पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की मौजूदगी में और मेडिकल देखरेख में आयोजित किए जाते हैं। लाभार्थियों और माता-पिता को हल्के साइड इफेक्ट (दर्द, हल्का बुखार, बदन दर्द) के बारे में जानकारी दें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार पेरासिटामोल लेने की सलाह दें।

उन्होंने आगे कहा कि व-हक्ठ पोर्टल पर सभी टीकाकरण की जानकारी समय पर और सही तरीके से दर्ज की जा रही है।

# विधानसभा के बजट सत्र में उठाए थानेसर व प्रदेश के विभिन्न मुद्दे : अशोक अरोड़ा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व मंत्री व थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा है कि हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में उन्होने थानेसर व प्रदेश स्तर के आमजन के विभिन्न मुद्दों को विधानसभा के पटल पर रखा। इतना ही नही उनके द्वारा कई बार रखी गई कुरुक्षेत्र-कैथल वाया ढांड फोर लेन व कुरुक्षेत्र यमुनानगर फोर लेन बनाने की मांग को पूरा किया गया है। अब यह सुविधा जल्द लोगों को मिलेगी। अशोक अरोड़ा मंगलवार को केडीबी रोड स्थित अपने प्रतिष्ठान पर पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे।

इस मौके पर उनके साथ पार्षद मनू जैन, पार्षद राजेंद्र सैनी, पार्षद परमवीर सिंह प्रिंस, विवेक भारद्वाज डब्बू, सुनील राणा, जिला महासचिव कांग्रेस टेकचंद बारना, युवा जिलाध्यक्ष कुलदीप ढिल्लों, पूर्व पार्षद ओमप्रकाश ओपी, बबलू गर्ग, मुकेश वाल्मीकि, विशाल मौदगिल, प्रदीप भारद्वाज व अन्य मौजूद थे। अशोक अरोड़ा ने पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र बाईपास की उनकी मांग को भी सरकार ने स्वीकार किया है। बाईपास के तीन विकल्प रखे गए हैं। उनमें से किसी एक को अमलीजामा पहनाया जाएगा। अरोड़ा ने कहा कि उन्होने विधानसभा में किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों समेत हर वर्ग के मुद्दों को उठाया। किसानों के धान घोटाला को उन्होने विस पटल पर रखा। उसके द्वारा रखे गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर धान घोटाले पर चर्चा भी की गई व धान घोटाले में किसानों के नुकसान की भरपाई की बात भी सरकार ने कही है। इसके साथ साथ उन्होने बात रखी कि हाइब्रिड बीज आने के बाद सेलर मालिकों के चावल पूरे नही हो पाते, ऐसे में वे सस्ते में धान खरीदते हैं। उन्होने सुझाव दिया है कि सेलर मालिकों से 67 की बजाय 65 किलोग्राम प्रति क्विंटल चावल लिए जाएं ताकि किसान की धान सस्ते में न बिके और व्यापारियों को भी नुकसान न हो। फसलों में नमी की मात्रा भी बनी रहती है क्योंकि कंबाईन से कटाई होने के चलते फसल में नमी बनी रहती है, ऐसे में किसानों को नमी में भी राहत दी जाए।

अशोक अरोड़ा ने विस में स्वास्थ्य के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होने कहा कि आयुष्मान कार्ड के तहत कई ऑपरेशन बंद कर दिए हैं, इसलिए उन्हे दोबारा से लिस्ट में जोड़ा जाए, ताकि आमजन आयुष्मान कार्ड का फायदा ले सके। इसके साथ साथ उन्होने मांग भी रखी कि हरियाणा के प्राईवेट अस्पतालों के आयुष्मान के 600 करोड़ रूपए बकाया पडे हैं, इसलिए जल्द वह राशि जारी की जाए, ताकि अस्पतालों में सुचारू ढंग से आयुष्मान की सुविधा मिल सके। अशोक अरोड़ा ने कहा कि सरकार की छत्रछाया में कुरुक्षेत्र में अनेकों अवैध कॉलोनियां पनप रही हैं। आए दिन डीटीपी का ब्यान तो आता है कि फलां जगह कॉलोनी का ध्वस्त किया लेकिन केवल ऑपचारिकता पूरी कर दी जाती है और कोई ठोस कार्रवाई नही की जाती। सरकार को चाहिए कि अवैध कॉलोनियों पर सख्ती से रोक लगाए ताकि आमजन ठगी का शिकार न हो सके व जो लोग अवैध कॉलोनियां काट रहे हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होने सरकार द्वारा हुड्डा के सेक्टर काटे जाने का स्वागत किया लेकिन साथ ही कहा कि सेक्टरों के लिए जमीन मार्किट रेट से ली जाए और उसे बिना किसी लाभ हानि के हर वर्ग को प्लॉट दिएं जाएं। जिसमें एससी, बीसी व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग का कोटा भी होना चाहिए।

# नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन ने संभाला पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र का पदभार

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

जिला कुरुक्षेत्र के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक श्री चन्द्र मोहन ने मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभाल लिया। पुलिस मुख्यालय पंहुचने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतीक गहलोत ने पुलिस अधीक्षक महोदय का स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र के कार्यालय में पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस मुख्यालय पर तैनात सभी अधिकारियों व शाखा प्रभारियों ने उनके कार्यालय में मुलाकात की।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक महोदय के पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस मुख्यालय पर तैनात सभी अधिकारियों व शाखा प्रभारियों से रुबरु होते हुए सभी का परिचय लिया। पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय में चलने वाली गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए हिदायत की। पुलिस अधीक्षक ने अपने कार्यालय में तैनात सभी अधिकारियो/कर्मचारियों को हिदायत दी कि किसी भी शाखा में किसी भी कार्य को अनावश्यक तौर से लंबित न रखा जाए। उसके उपरान्त पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय में ड्यूटी संबंधी आवश्यक हिदायतें दी। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि पुलिस कर्मचारियों के वैल्फेयर का पूरा ध्यान रखा जाएगा। किसी भी अधिकारी/कर्मचारी की अनुशासनहीनता को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी पुलिस कर्मचारी अपनी निजी अथवा विभागीय समस्या उनके समक्ष रख सकता है। जिला पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को संदेश देते हुए एसपी चन्द्र मोहन ने कहा कि पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए है। पुलिस से संबंधित आमजन के कार्यो अथवा जनहित के कार्यों को वरीयता देते हुए आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाए। इस मौका पर डीएसपी सुनील कुमार, राम कुमार, निर्मल सिंह, रणधीर सिंह, हैड क्लर्क निरीक्षक दीपक कुमार, सुरक्षा शाखा प्रभारी उप निरीक्षक रविन्द्र कुमार, प्रवाचक एएसआई आशीष कुमार, स्टैनों हवलदार रोबिन, इंचार्ज शिकायत शाखा उप निरीक्षक प्रवीण कौर, सेना क्लर्क सहायक उप निरीक्षक कुलदीप सिंह व अन्य शाखा प्रभारियों सहित पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

# राज्य में घरेलू गैस सप्लाई की कोई किल्लत नहीं, नागरिक आश्वस्त रहें: राजेश नागर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने कहा कि एलपीजी से जुड़ी कोई भी अनियमितता सामने आती है तो उस पर तुरंत एक्शन लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एलपीजी सिलेंडर को लेकर राज्य में स्थिति सामान्य है, नागरिकों को किसी भी तरह के पैनिक की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा में एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी और अवैध उपयोग के खिलाफ सरकार ने सख्त कार्रवाई करते हुए अब तक 8 त्रङ्खक्रदर्ज की गई हैं, 52 आरोपियों की संलिप्तता पाई गई और 825 सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

> **हरियाणा में एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी और अवैध उपयोग के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई**

राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने कहा है कि सिलेंडर की कालाबाजारी और अवैध उपयोग के प्रति सरकार का रुख कड़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। मिडिल ईस्ट में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों में भी जो शरारती एवं षड्यंत्रकारी तत्व अफवाह फैला रहे हैं, सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि जब्त किये कुल 825 घरेलू एलपीजी में झज्जर जिले से 131, महेंद्रगढ़ जिले से 109 सिलेंडर, अम्बाला से 86, भिवानी से 21, फरीदाबाद से 2, फतेहाबाद से 71, गुरुग्राम से 75, हिसार से 39, जींद से 17, कैथल से 10, करनाल से 44, कुरुक्षेत्र से 21, नूंह से 16, पानीपत से 23, रेवाड़ी से 21, रोहतक से 98, सिरसा से 12, सोनीपत से 12 और यमुनानगर से 17 छढक्क सिलेंडर जब्त किये जा चुके हैं।

इनमें से फरीदाबाद में 7 और सोनीपत में 1 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस कड़ी में तीन वाहन भी पकड़े गए हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य भर में आयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा पिछले 6 दिनों में 14.2 किलो के कुल 61034 घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई की गई है। वर्तमान में राज्य भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कुल भंडार संख्या 982212 है।

## संक्षिप्त-समाचार

### हरियाणा के छात्रों को मुफ्त किताबों के लिए 45.05 करोड़ की मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् द्वारा प्रत्येक वर्ष समग्र शिक्षा के अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं। इसी क्रम में, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा परियोजना अनुमोदन बोर्ड की बैठक में वित्त वर्ष 2026-27 हेतु मुफ्त पाठ्यपुस्तकें मद के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए कुल 45.05 करोड़ रुपये की राशि अनुमोदित की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए परिषद के एक प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति की बैठक 29 दिसंबर 2025 को आयोजित की गई। बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार चयनित फर्मों को पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण एवं आपूर्ति का कार्य आवंटित किया गया। उक्त निर्णय के अनुपालन में विभाग द्वारा 8 जनवरी 2026 को संबंधित फर्मों को कायार्देश जारी किए गए, जिनके अनुसार 15 अप्रैल 2026 तक पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति का कार्य पूर्ण किया जाना निर्धारित है। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री के मार्गदर्शन एवं निगरानी में संबंधित फर्मों द्वारा अम्बाला, हिसार, कुरुक्षेत्र, पानीपत, पलवल, भिवानी एवं चरखी दादरी जिलों में कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति जिला स्तर पर की जा चुकी है। निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी विद्यालयों तक पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी जाएगी। पाठ्यपुस्तकों के समयबद्ध वितरण को सुनिश्चित करने हेतु शिक्षा मंत्री का कार्यालय विभाग के साथ सतत समन्वय बनाए हुए है।

# प्रधानमंत्री के भाषण पर उठे सवाल, देश को चाहिए स्पष्ट रणनीति: सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/नई दिल्ली

सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने प्रधानमंत्री के भाषण पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश इस समय एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय संकट से गुजर रहा है, ऐसे में सरकार से ठोस और स्पष्ट रणनीति की अपेक्षा थी, लेकिन लंबे भाषण के बावजूद आम जनता से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा कि देश यह जानना चाहता है कि हमारे पास ऊर्जा संसाधनों का कितना भंडार उपलब्ध है और वह कितने दिनों तक चलेगा। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए था कि रणनीतिक रिजर्व की स्थिति क्या है और भविष्य में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किन देशों के साथ क्या बातचीत चल रही है। इस तरह की पारदर्शिता से ही जनता में विश्वास पैदा होता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेषकर अमेरिका के साथ भारत के संबंधों और संभावित समझौतों पर भी सरकार को स्पष्ट रुख रखना चाहिए था। रूस से तेल आयात जारी रहेगा या नहीं, अमेरिका की ओर से दी गई किसी छूट की अवधि क्या है और आगे उसकी क्या दिशा होगी, इन सभी मुद्दों पर सरकार की चुप्पी चिंता बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्सों में लंबी कतारें और आपूर्ति को लेकर असमंजस की स्थिति बन रही है, जिससे आम जनता में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। ऐसे समय में सरकार का दायित्व है कि वह स्पष्ट जानकारी देकर लोगों को भरोसा दिलाए कि देश इस संकट से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

कुमारी सैलजा ने अंत में कहा कि केवल पुरानी नीतियों का उल्लेख करना पर्याप्त नहीं है। देश को इस समय एक नई, प्रभावी और दूरदर्शी कार्ययोजना की आवश्यकता है, ताकि वर्तमान संकट से राहत मिल सके और भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार किया जा सके।

## कुवि की 129वीं अकादमिक काउंसिल बैठक सम्पन्न, 26 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिली मंजूरी

# एकेडमिक काउंसिल के फैसलों से शैक्षणिक उत्कृष्टता होगी और मजबूत: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल की 129वीं बैठक मंगलवार को श्रीमद्भगवद्गीता सदन के सीनेट हॉल में कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास, पाठ्यक्रम संशोधन, विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग तथा प्रशासनिक नीतियों से जुड़े कुल 26 महत्वपूर्ण एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उन्हें अनुमोदन प्रदान किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और अनुसंधान को निरंतर सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्थानों और उद्योगों के साथ हुए सहयोग समझौते विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, प्रशिक्षण और बेहतर रोजगार अवसर प्रदान करने में सहायक सिद्ध होंगे।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री देना ही नहीं, बल्कि उन्हें कौशल, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि अकादमिक काउंसिल के ये निर्णय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को और मजबूत करेंगे। बैठक में सबसे पहले 27 अक्टूबर 2025 को आयोजित पिछली अकादमिक काउंसिल बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई तथा उस पर हुई अनुपालना कार्रवाई का संज्ञान लिया गया।

इसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों व संगठनों के साथ किए गए सहयोग समझौता ज्ञापनों को मंजूरी दी गई। इनमें ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन लुधियाना, स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट रुहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, नवीन जिंदल फाउंडेशन, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय टेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर एवं एंटरप्रेन्योरशिप प्रमोशन एंड इन्क्यूबेशन काउंसिल अंबाला, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट व यूनिवर्सिटी ऑफ पतंजलि हरिद्वार तथा बेनेट, कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड के साथ हुए समझौते शामिल हैं। इन समझौतों का उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास तथा उद्योग-शिक्षा सहयोग को मजबूत करना है।

बैठक में विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम और परीक्षा योजनाओं से संबंधित कई प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई। इनमें एमबीए, एम.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, एम.एससी. एप्लाइड जियोफिजिक्स, अर्थशास्त्र, बॉटनी, होम साइंस, पत्रकारिता एवं जनसंचार सहित अनेक विषयों के संशोधित पाठ्यक्रम तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप नई योजनाओं को लागू करने से संबंधित प्रस्ताव शामिल रहे। अकादमिक काउंसिल ने विभिन्न विधि महाविद्यालयों की निरीक्षण रिपोर्टों को भी मंजूरी दी। इनमें लाला अमी चंद मोंगा मेमोरियल कॉलेज ऑफ लॉ (अंबाला), भारत कॉलेज ऑफ लॉ (कुरुक्षेत्र), स्वामी देवी दयाल लॉ कॉलेज (पंचकूला), डॉ. बी.आर. अंबेडकर लॉ कॉलेज (कुरुक्षेत्र), गीता इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ (पानीपत) तथा एसकेएस कॉलेज ऑफ लॉ (कुरुक्षेत्र) की रिपोर्टें शामिल हैं, जिनके आधार पर इन संस्थानों को सत्र 2026-27 के लिए अस्थायी संबद्धता विस्तार देने और बार काउंसिल ऑफ इंडिया की स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

बैठक में दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। इनमें पुनः प्रवेश या कंपार्टमेंट वाले विद्यार्थियों के प्रवेश संबंधी नियम, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे स्वयम् और मूक के माध्यम से क्रेडिट अर्जित करने के लिए एसओपी, एक साथ दो शैक्षणिक कार्यक्रम करने के दिशा-निर्देश तथा माइग्रेशन सर्टिफिकेट जमा करने के नए नियमों को स्वीकृति प्रदान की गई।

इसके अलावा एक विशेष मामले में करनाल स्थित डॉ. गणेश दास डीएवी कॉलेज फॉर वुमेन में बी.एड. द्वितीय वर्ष में प्रवेश के लिए एक छात्रा के आवेदन पर भी विचार किया गया। बैठक में वर्ष 2025 में आयोजित परीक्षाओं के आधार पर विभिन्न डिग्रियां प्रदान करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। साथ ही आगामी 4 अप्रैल 2026 कोआयोजित होने वाले कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान की जाने वाली मानद उपाधियों के लिए नामों को अंतिम रूप देने हेतु कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा को अधिकृत करने का निर्णय लिया गया।

संपादकीय

# ऊर्जा संकट के बीच भारत का मास्टरस्ट्रोक: हर देश से तेल-गैस खरीदने की तैयारी

वैश्विक ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चित बाजार परिस्थितियों के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में यह स्पष्ट किया कि सरकार कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव स्रोत का उपयोग करने की दिशा में काम कर रही है। यह बयान न केवल वर्तमान हालात की गंभीरता को दर्शाता है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा नीति के बदलते स्वरूप को भी उजागर करता है। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, और इसके साथ ही ऊर्जा की मांग भी लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिससे वह वैश्विक बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बना रहता है। ऐसे में ऊर्जा आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा सीधे तौर पर महंगाई, औद्योगिक उत्पादन और आम नागरिक के जीवन पर असर डाल सकती है। पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई ऐसे घटनाक्रम हुए हैं, जिन्होंने ऊर्जा बाजार को अस्थिर बना दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में लगातार तनाव, और प्रमुख तेल उत्पादक देशों के उत्पादन में कटौती जैसे कारकों ने कच्चे तेल की कीमतों को प्रभावित किया है। इन परिस्थितियों में भारत ने व्यावहारिक और संतुलित कूटनीति का परिचय देते हुए विभिन्न देशों के साथ अपने ऊर्जा संबंधों को मजबूत किया है। रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने का निर्णय भारत के लिए एक बड़ा रणनीतिक कदम साबित हुआ। जहां कई पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, वहीं भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए सस्ते तेल का आयात जारी रखा। इसके साथ ही, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक ऊर्जा समझौते भी किए गए हैं, ताकि आपूर्ति की निरंतरता बनी रहे।सरकार का फोकस केवल आयात तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण पर भी जोर दिया जा रहा है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों में निवेश बढ़ाना, नई आपूर्ति लाइनों की तलाश करना और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाना—ये सभी प्रयास इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। इससे भारत किसी एक क्षेत्र या देश पर निर्भर रहने से बच सकेगा। प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य देश को गैस-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलना है। इसके तहत एलएनजी आयात को बढ़ावा दिया जा रहा है, गैस पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है और शहर गैस वितरण परियोजनाओं को गति दी जा रही है। इससे न केवल ऊर्जा आपूर्ति मजबूत होगी, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण में भी कमी आएगी।ऊर्जा सुरक्षा की इस व्यापक रणनीति में नवीकरणीय ऊर्जा की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत ने सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, ग्रीन हाइड्रोजन जैसे उभरते क्षेत्रों में भी निवेश बढ़ाया जा रहा है, जिससे भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा के विकल्प तैयार किए जा सकें।हालांकि, इस रणनीति के सामने कई चुनौतियां भी हैं। वैश्विक बाजार में कीमतों की अस्थिरता, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी, परिवहन लागत में वृद्धि और पर्यावरणीय प्रतिबद्धताएं—ये सभी कारक नीति निर्माण को जटिल बनाते हैं। इसके अलावा, घरेलू स्तर पर ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और वैकल्पिक ईंधनों को अपनाने की गति को और तेज करने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी ऊर्जा नीति में लचीलापन बनाए रखना होगा। बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार रणनीति में समय-समय पर बदलाव करना आवश्यक है। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, दीर्घकालिक अनुबंध, और रणनीतिक भंडारण क्षमता का विस्तार—ये सभी उपाय भविष्य की अनिश्चितताओं से निपटने में सहायक होंगे।इसके साथ ही, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना भी बेहद जरूरी है। ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न अभियान के तहत तेल और गैस के अन्वेषण में निजी और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। नई तकनीकों के उपयोग, नीतिगत सुधारों और बुनियादी ढांचे के विकास से इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी लाई जा सकती है। ऊर्जा कूटनीति के स्तर पर भी भारत की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत अब केवल एक उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली भागीदार के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा को आर्थिक और रणनीतिक शक्ति से जोड़ा जा रहा है। अंततः, भारत की ऊर्जा रणनीति बहुआयामी और दूरदर्शी होती जा रही है। हर संभव स्रोत से तेल और गैस जुटाने की नीति न केवल वर्तमान संकट से निपटने का उपाय है, बल्कि यह भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करने की दिशा में एक ठोस कदम भी है। यदि सरकार इसी तरह संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाती रही, तो आने वाले वर्षों में भारत ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से बढ़ सकता है।

# पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध: भू-राजनीति का एक बदलता आयाम - संभावनाएं, चुनौतियां, और परिणाम

डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी (हि.स)

दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य हमेशा दो परमाणु-संशस्त्र पड़ोसियों: पाकिस्तान और भारत के बीच डगमगाते अस्थिर संबंधों से प्रभावित रहा है। दोनों राष्ट्र, ऐतिहासिक दुश्मनियों और जटिल राष्ट्रीय हितों से प्रेरित, खुद को एक संवेदनशील मोड़ पर पाते हैं। उपमहाद्वीप पर परमाणु संघर्ष का डर बड़ा है, जो इस क्षेत्र में विविध राजनीतिक, धार्मिक, और आर्थिक तनावों के बीच शांति की नाजुकता को स्पष्ट करता है। इस निबंध में, हम पाकिस्तान और भारत के बीच संभावित परमाणु युद्ध की गंभीर संभावनाओं, चुनौतीपूर्ण अड़चनों, और दूरगामी परिणामों की जांच करते हैं, उन चिंताजनक वास्तविकताओं को उजागर करते हैं जो तत्काल अंतरराष्ट्रीय ध्यान की मांग करती हैं।

इस भू-राजनीतिक संकट के केंद्र में गहराई से निहित कश्मीर विवाद है। 1947 से, इस क्षेत्र पर क्षेत्रीय विवाद ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धों और झड़पों की एक श्रृंखला को उत्पन्न किया है, जिससे कूटनीतिक समाधान अत्यंत भयावह हो गए हैं। दोनों राष्ट्रों की परमाणु क्षमताएँ, पाकिस्तान का सामरिक परमाणु हथियारों का विकास और भारत का मजबूत परमाणु भंडार, इस संघर्ष में एक खतरनाक आयाम जोड़ते हैं। निरोध के लिए की गई अपेक्षाएँ अक्सर एक 'हेयर-ट्रिगर' मानसिकता को जन्म देती हैं, जहां गलतफहमियाँ और अत्यधिक प्रतिक्रियाएँ परमाणु संघर्ष में बदल सकती हैं। दोनों पक्षों से उत्तेजक बयानबाजी स्थिति को और अधिक बिगाड़ देती है, क्योंकि उनके संबंधित जनसंख्याओं के बीच राष्ट्रवादी भावनाएँ बढ़ती हैं, जिससे नेताओं के लिए संयम की वकालत करना कठिन हो जाता है, जबकि सैन्य कार्रवाई की मांग बढ़ रही होती है।

पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध की भयावह संभावना क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए गहन चुनौतियाँ पेश करती है। एक संघर्ष को प्रारंभ में पारंपरिक झड़पों से वर्णित किया जा सकता है; हालाँकि, इसकी प्रचलित चिंता है कि ऐसा परिदृश्य तेजी से नियंत्रण से बाहर जा सकता है। पहले हमले की क्षमताएँ, सीमित परमाणु युद्ध सिद्धांतों के साथ मिलकर, संचार और गलतफहमी के जोखिम को बढ़ा देती हैं। नई तकनीकों का परिचय, जैसे साइबर युद्ध और कृत्रिम बुद्धिमत्ताकेवल जटिलता के स्तर को बढ़ाता है। एक ऐसे युग में जहाँ तात्कालिक संचार तात्कालिक प्रतिक्रियाओं को जन्म दे सकता है, गंभीर गलतियों की संभावना असाधारण रूप से बढ़ जाती है।

इसके अतिरिक्त, एक परमाणु संघर्ष के परिणाम तुरंत क्षेत्र से परे फैले होंगे। एक परमाणु विनिमय का मानवीय मोल विनाशकारी होगा। शहरों का राख में तब्दील होना, लाखों जीवन खोना, और अनगिनत अन्य लोग विकिरण के दीर्घकालिक परिणामों से प्रभावित होना, आधुनिक युद्ध की विनाशकारी क्षमताओं की भयावह यादें हैं। दोनों राष्ट्रों की सामाजिक-आर्थिक संरचना संभवतः टूट जाएगी, जिससे गरीबी, स्वास्थ्य संकट, और पर्यावरणीय विनाश के चक्र उत्पन्न होंगे जो सदियों तक चल सकते हैं। इसके अलावा, तबाही से भागने वाले शरणार्थियों की वृद्धि अन्य देशों पर अत्यधिक दबाव डालेगी, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और संभावित अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप होगा।

एक व्यापक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, दक्षिण एशिया में एक परमाणु युद्ध विश्व स्तर पर अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को पुनर्गठित कर सकता है और शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकता है। दोनों राष्ट्र कई अंतरराष्ट्रीय मंचों के सदस्य हैं, जिनमें संयुक्त राष्ट्र, शंघाई सहयोग संगठन, और अन्य शामिल हैं जो आदर्श रूप से संवाद और सहयोग को बढ़ावा देते हैं। हालाँकि, शत्रुता की शुरूआत न केवल एशिया में बल्कि विश्व भर में तनाव को बढ़ा सकती है। राष्ट्रीय हितों पर आधारित संरेखण का संभावित परिणाम द्विध्रुवीय संघर्ष हो सकता है, जो शीत युद्ध के युग की याद दिलाता है, परमाणु शक्तियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करता है और एक नवीनीकरण हथियार दौड़ को जन्म देता है। क्षेत्र में गहरी रुचि रखने वाले देश विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, और रूस को अपनी रणनीतिक स्थिति और गठबंधन को फिर से समायोजित करना होगा, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन का पुनर्गठन होगा।

इन चिंताजनक संभावनाओं को कम करने हेतु तात्कालिक और संगठित अंतरराष्ट्रीय प्रयास आवश्यक हैं। पाकिस्तान और भारत के बीच कूटनीतिक जुड़ाव को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जिसमें गलतफहमियों से बचने के लिए विश्वास निर्माण के उपायों और संवाद चैनलों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। वैश्विक शक्तियों द्वारा संचालित बहुपक्षीय कूटनीतिक हस्तक्षेप एक अधिक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा दे सकते हैं, जो बयानबाजी को पार करते हुए संवाद को प्रोत्साहित करता है। परमाणु जोखिम न्यूनीकरण केंद्रों की स्थापना और विश्वास निर्माण के उपाय, जिसमें नियमित संवाद और सैन्य क्षमताओं के संबंध में पारदर्शिता शामिल है, तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।

संक्षेप में, पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध का साया एक ऐसा गंभीर विषय है जो क्षेत्रीय सीमाओं को पार करता है। ऐतिहासिक वैमनस्य , राष्ट्रीय पहचान, और भू-राजनीतिक हितों का जटिल अंतरप खेल साझा स्थापित करता है जिसे सावधानी से संभाला जाना चाहिए। संभावित परमाणु संघर्ष से उत्पन्न अंतर्निहित खतरे एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की मांग करते हैं, जिसमें संवाद, समझदारी, और कूटनीतिक ढांचों के प्रति प्रतिबद्धता का महत्व है। जब विश्व एक संभावित विनाशकारी संघर्ष के किनारे खड़ा है, तो कार्य करने का समय अब है; निष्क्रियता के परिणाम एक ऐसी आपदा का रूप ले सकते हैं जो पीढ़ियों तक गूंजेगी और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की असल प्रकृति को पुनर्परिभाषित कर देगी।

**( लेखक, प्रोफेसर एवं समूह निदेशक- ऑक्सफोर्ड-इंदौर इंटरनैशनल कालेज समूह; राज्य सरकार नामित सदस्य- अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन हैं।)**

# खेलो इंडिया जनजातीय खेल: भारत के ओलंपिक सपनों की ओर एक मजबूत कदम

भारत की खेल यात्रा अद्भुत विविधता से भरी हुई है। उत्तर-पूर्व के पहाड़ों से लेकर मध्य भारत के जंगलों तक, हमारे देश के हर कोने में प्रतिभा मौजूद है। खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरूआत को अब आठ वर्ष हो चुके हैं, और इतने कम समय में यह एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में विकसित हो चुका है। युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल, बीच गेम्स और विंटर गेम्स जैसे विभिन्न आयामों के माध्यम से, खेलो इंडिया ने देशभर के युवा खिलाड़ियों की विविध प्रतिभाओं को पहचानने और उभारने में सफलता प्राप्त की है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेल (केआईटीजी) का समावेश इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसका पहला संस्करण 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3,000 खिलाड़ी भाग लेंगे। इन खेलों में सात पदक खेल शामिल होंगे— एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन , तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इन खेलों का आयोजन बस्तर क्षेत्र के जनजातीय बहुल जिलों, जो प्राचीन दंडकारण्य क्षेत्र का हिस्सा हैं, के साथ-साथ सरगुजा क्षेत्र, रायगढ़ और मानपुर जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। यह केवल एक और खेल प्रतियोगिता की शुरूआत नहीं है, बल्कि यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को व्यापक बनाते हुए हर खिलाड़ी तक अवसर पहुँचाना है—चाहे वह किसी भी भौगोलिक या सामाजिक पृष्ठभूमि से आता हो। सीधे शब्दों में कहें तो यह हाशिए पर पड़े खिलाड़ियों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है।

जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने लंबे समय से देश को गौरवान्वित किया है। राजस्थान के महान तीरंदाज लिम्बा राम से लेकर झारखंड की तीरंदाजी स्टार दीपिका कुमारी तक, और अनेक हॉकी खिलाड़ियों से लेकर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू तक, उनकी उपलब्धियाँ लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। ये उदाहरण इन क्षेत्रों में निहित अपार संभावनाओं को दशार्ते हैं।

कई जनजातीय क्षेत्र ऐसे भी हैं जो ऐतिहासिक रूप से सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करते रहे हैं। इन क्षेत्रों के युवाओं के लिए पहचान और विकास के अवसर सीमित रहे हैं। ऐसे में, इन क्षेत्रों में संगठित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने का कार्य करता है। यह अनिश्चितता को अवसर में और



डॉ. मनसुख मांडविया

अलगाव को समावेशन में बदलने का प्रयास है।

वास्तव में, हमारे माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण–'खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत'–आज साकार हो रहा है। खेल आज एक सशक्त माध्यम और समान अवसर प्रदान करने वाला साधन बन चुका है, जो वंचित वर्गों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर देता है। जनजातीय क्षेत्रों में खेलो इंडिया का विस्तार इसी दृष्टि का स्वाभाविक विस्तार है और यह इस विश्वास को मजबूत करता है कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

खेलो इंडिया जनजातीय खेलों का आयोजन स्थानीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा। इससे जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसंरचना का विकास और उन्नयन होगा, साथ ही स्थानीय कोच, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। स्कूलों और सामुदायिक संस्थानों को दैनिक जीवन में खेल को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर एक स्थायी और समावेशी खेल संस्कृति विकसित हो सके।

ये खेलो इंडिया जनजातीय खेल केवल एक बार आयोजित होने वाला आयोजन नहीं हैं, बल्कि इन्हें खेलो इंडिया के वार्षिक कैलेंडर में स्थायी स्थान दिया जाएगा। इससे देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों को निरंतर और नियमित मंच मिलेगा, जो उनके दीर्घकालिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक संस्करण के साथ ये खेल व्यापक खेलो इंडिया (इकोसिस्टम) पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक आधार के रूप में कार्य करेंगे। इस दृष्टि से, जनजातीय खेल केवल एक मंच नहीं, बल्कि एक समृद्ध खेल संसार में प्रवेश का द्वार हैं।

इन खेलों के माध्यम से हम प्रतिभाओं की पहचान और उनके विकास का लक्ष्य रखते हैं। राष्ट्रीय कोच, उच्च प्रदर्शन निदेशक और भारतीय खेल प्राधिकरण के तकनीकी विशेषज्ञ इन खेलों में उपस्थित रहेंगे। चयनित खिलाड़ियों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए भाखेप्रा केंद्रों में भेजा जाएगा, जिससे वे अपने खेल करियर को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकें।

जैसे-जैसे भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयासरत है, वैसे-वैसे प्रतिभाओं का दायरा बढ़ाना और भी आवश्यक हो जाता है। इसका अर्थ है देश के हर कोने तक पहुँचना और यह सुनिश्चित करना कि हर युवा खिलाड़ी—विशेषकर जनजातीय समुदायों से—अवसरों से वंचित न रहे। जनजातीय खेलों की शुरूआत इसी सोच का परिणाम है और यह भारत के विकसित होते खेल तंत्र की मजबूती को दशार्ता है।

खेल उत्कृष्टता की यात्रा अक्सर उन गाँवों और समुदायों से शुरू होती है जहाँ सपने तो होते हैं, लेकिन अवसर सीमित होते हैं। खेलो इंडिया जनजातीय खेलों के माध्यम से, सरकार खेल को इन्हीं क्षेत्रों तक पहुँचा रही है। इस प्रक्रिया में हम न केवल भविष्य के चैंपियनों को खोज रहे हैं, बल्कि भारत की प्रतिभा श्रृंखला को भी सशक्त बना रहे हैं, ताकि हम एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें और 2036 तक शीर्ष 10 तथा 2047 तक शीर्ष 5 खेल राष्ट्र बनने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को साकार कर सकें।

**(लेखक भारत सरकार में युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं।)**

# भारत का एचपीवी टीकाकरण लॉन्च: सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

डॉ. गौरवी मिश्रा

भारत ने सार्वजनिक स्वास्थ्य में 28 फरवरी, 2026 को एक निर्णायक और ऐतिहासिक कदम उठाया। यह कदम किशोर लड़कियों के लिए ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ है। यह क्षण एक टीके की शुरूआत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता का संकेत देता है। सर्वाइकल कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसे आसानी से रोका जा सकता है, फिर भी हमारे देश में हर साल हजारों लोगों की जान ले रही है।

विश्व स्तर पर, सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में चौथा सबसे आम कैंसर है, (आईएआरसी, ग्लोबोकैन 2022 अनुमान) जिसमें हर साल लगभग 660 हजार नए मामले और 350 हजार मौतें होती हैं। जबकि कई उच्च आय वाले देशों ने स्क्रीनिंग और टीकाकरण कार्यक्रमों के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर की दर को नियंत्रित किया है, भारत में अभी भी इसकी ऊंची दर बनी हुई है।

भारत वैश्विक स्तर पर इस रोग के संदर्भ में सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है। सर्वाइकल कैंसर भारतीय महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है और हमारे देश में कुल मिलाकर तीसरा सबसे आम कैंसर है। हर साल, भारत में 78 हजार से अधिक नए मामले सामने आते हैं और लगभग 43 हजार मौतें होती हैं। ये केवल संख्याएं नहीं हैं; वे माताओं, बेटियों, पत्नियों और बहनों के बारे में बताती हैं जिनका जीवन एक रोकथाम योग्य बीमारी से छोटा हो जाता है।

अधिकांश सर्वाइकल कैंसर मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) के साथ जननांग पथ के संक्रमण के कारण होते हैं। इसलिए, कई अन्य कैंसर के विपरीत, सर्वाइकल कैंसर के विकास के जोखिम को नियंत्रित और कम किया जा सकता है। इसके जोखिमों में शादी की कम उम्र, यौन गतिविधि की जल्दी शुरूआत, कई गर्भधारण, तंबाकू का सेवन, खराब जननांग स्वच्छता शामिल हैं, जो सभी एचपीवी संक्रमण की बढ़ती संभावना से संबंधित हैं। इसलिए इनमें से अधिकांश जोखिम कारकों को जागरूकता, जांच और टीकाकरण के माध्यम से समाधान किया जा सकता है। इससे हम यह साबित कर सकते हैं कि सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हमारी पहुंच के भीतर है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सर्वाइकल कैंसर को विश्व स्तर पर समाप्त होने वाला पहला कैंसर घोषित किया है। गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की दर को प्रति वर्ष प्रति 100 हजार महिलाओं पर 4 नए मामलों से कम करके इसने उन्मूलन का एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया है। डब्ल्यूएचओ के वैश्विक उन्मूलन प्रयास '90-70-90' रणनीति की रूपरेखा तैयार करते हैं: 90 प्रतिशत लड़कियों को 15 वर्ष की आयु तक एचपीवी वैक्सीन के साथ पूरी तरह से टीका लगाया जाना चाहिए; 70 प्रतिशत महिलाओं को 30 वर्ष और उससे अधिक उम्र में उच्च-लक्षण के परीक्षण के साथ जांच की जाएगी और 90 प्रतिशत महिलाओं को उचित उपचार प्राप्त करने के लिए बीमारी से पहचाना जाएगा। भारत का टीकाकरण लॉन्च इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सर्वाइकल कैंसर का उन्मूलन किया जा सकता है क्योंकि हम इसका कारण जानते हैं, हम रोग की प्रगति के प्राकृतिक इतिहास को समझते हैं, हमारे पास प्रभावी टीके हैं, हम स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान के माध्यम से प्रारंभिक प्री-इनवेसिव चरण में सर्वाइकल कैंसर का पता लगा सकते हैं और समय पर पता चलने पर हम इस बीमारी का सफलतापूर्वक और पूरी तरह से इलाज कर सकते हैं।

एचपीवी टीकों का एक मजबूत वैश्विक सुरक्षा रिकॉर्ड है। सबसे अधिक देखे जाने वाले दुष्प्रभाव हल्के दर्द, लालिमा या हाथ में सूजन हैं जहां शॉट दिया जाता है। टीका लगवाने वाली बहुत कम ही लड़कियों को अन्य टीकों की तरह थोड़े समय के लिए चक्कर आ सकते हैं। इसलिए लड़कियों के बैठने या लेटने के दौरान टीका सबसे अच्छा दिया जाता है और फिर 15 मिनट के लिए देखा जाता है। यह गिरने की अप्रत्याशित स्थिति में चोट लगने से बचाव करेगा।

सर्वाइकल कैंसर के टीके को पहली बार 20 साल पहले लाइसेंस दिया गया था और इसके लाइसेंस के बाद कठोर जांच और मूल्यांकन किया गया है। दुनिया भर के 140 से अधिक देशों ने एचपीवी संक्रमणों के खिलाफ टीकाकरण लागू किया है। दुनिया भर में दी गई लाखों खुराकों के आंकड़ों ने इसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता की पुष्टि की है। ये टीके उच्च जोखिम वाले ह्यूमन पेपिलोमा वायरस प्रकारों, विशेष रूप से एचपीवी 16 और 18 से बचाते हैं, जो एक साथ लगभग 70 प्रतिशत सर्वाइकल कैंसर का कारण बनते हैं। ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और स्वीडन जैसे देशों ने राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियानों के बाद एचपीवी संक्रमण, प्रीकैंसरस घावों और समग्र गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की दर में नाटकीय कमी हासिल की है। विश्व स्तर पर एचपीवी टीकाकरण ने अब तक सर्वाइकल कैंसर से लगभग दस लाख मौतों को रोका है।

पिछले एक दशक में सबसे महत्वपूर्ण साक्ष्य, उन अध्ययनों से आया है जो प्रदर्शित करते हैं कि एचपीवी वैक्सीन की एक खुराक भी दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करती है। 15 से अधिक वर्षों तक नैदानिक परीक्षण और अनुवर्ती अध्ययन हैं, जिनमें से टाटा मेमोरियल सेंटर भी इसका एक हिस्सा रहा है, जिसने साबित किया है कि एचपीवी वैक्सीन की एक खुराक सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ भारतीय आबादी में सुरक्षित, प्रभावी और दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है। यह अनुसंधान इस बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू करने में विश्वास को मजबूत करता है।

दुनिया भर में, बेहतर जागरूकता, स्क्रीनिंग और टीकाकरण के कारण सर्वाइकल कैंसर की दर में गिरावट आ रही है। हालांकि, यह प्रगति एक समान नहीं है। भारत के भीतर भी, शहरी क्षेत्रों में बेहतर स्वच्छता जैसे कारकों के कारण कुछ गिरावट देखी गई है, फिर भी बड़ी ग्रामीण और वंचित आबादी उन्नत सर्वाइकल कैंसर रोग के साथ मौजूद है। एक तृतीयक रेफरल केंद्र के रूप में, टाटा मेमोरियल सेंटर के अस्पतालों में सर्वाइकल कैंसर के उच्च मामले जारी हैं, जो सभी क्षेत्रों में जागरूकता, पहुंच और शुरूआती पहचान में असमानताओं को दशार्ते हैं।

वैश्विक अनुभव हमें सिखाता है कि यदि टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित नहीं किया जाता है तो सर्वाइकल कैंसर नियंत्रण में प्रगति रुक सकती है। कुछ देशों में जिन्होंने सर्वाइकल कैंसर के बोझ को काफी कम कर दिया था, टीकाकरण में अंतर या सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में व्यवधान ने सर्वाइकल कैंसर के मामलों में फिर से वृद्धि देखी है। उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयासों और एचपीवी टीकाकरण के व्यापक कवरेज को सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है।

ह्यूमन पेपिलोमा वायरस के संपर्क में आने से पहले लड़कियों का टीकाकरण करना, सबसे बेहतर किशोरावस्था की शुरूआत में, सबसे बड़ा लाभ प्रदान करता है। जब संक्रमण के संपर्क में आने से पहले टीकाकरण किया जाता है, तो एचपीवी टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ 70 प्रतिशत से अधिक सुरक्षा प्रदान करता है।

एचपीवी टीकाकरण शुरू करने का भारत का निर्णय वैज्ञानिक रूप से ठोस, किफायती और एक नैतिक अनिवार्यता है। यह हमारे देश के भविष्य में स्वस्थ महिला आबादी सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। मजबूत स्क्रीनिंग कार्यक्रमों और उपचार की सुनिश्चित पहुंच के साथ, टीकाकरण एक पीढ़ी की अवधि के भीतर सर्वाइकल कैंसर के कारण होने वाली पीड़ा को काफी कम कर सकता है।

टाटा मेमोरियल सेंटर में, हमारा मानना है कि बालिकाओं के लिए व्यापक एचपीवी टीकाकरण, साक्ष्य-आधारित स्क्रीनिंग कार्यक्रमों के विस्तार और बीमारी से पीड़ित सभी महिलाओं के लिए समय पर उपचार के साथ, रोकथाम योग्य सर्वाइकल कैंसर अब भारतीय महिलाओं में मौतों का कारण नहीं रहेगा।

निरंतर प्रयासों, जनता के विश्वास और सामुदायिक भागीदारी के साथ, भारत सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकता है। एचपीवी टीकाकरण का शुभारंभ केवल एक नीतिगत घोषणा नहीं है, बल्कि यह भारतीय महिलाओं की भलाई के लिए देश की प्रतिबद्धता की घोषणा है।

विज्ञान स्पष्ट है। उपकरण उपलब्ध हैं। अवसर हमारे सामने है और यह एचपीवी टीकाकरण की पहल कैंसर के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक मील के पत्थर के रूप में चिह्नित होगी।

## आज का राशिफल



**मेष:** आज कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जिससे व्यस्तता बनी रहेगी। लंबे समय से अटका हुआ काम अचानक पूरा होने की संभावना है। घर में मेहमानों का आगमन माहौल को खुशहाल बनाएगा। अनुभवी और समझदार लोगों से संपर्क आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। *(सिटी दर्पण)*



**वृषभ:** आज व्यापार से जुड़ी यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में लाभ दे सकती है। निवेश के बड़े फैसले ले सकते हैं, लेकिन सोच-समझकर कदम उठाएं। समय की बबार्दी से बचना जरूरी है। स्वभाव में चिड़चिड़ापन आलोचना का कारण बन सकता है। *(सिटी दर्पण)*



**मिथुन:** दांपत्य जीवन में मिठास बनी रहेगी और रिश्तों में मजबूती आएगी। रिसर्च या नई चीजें सीखने में रुचि बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी। घरेलू जिम्मेदारियां आपको व्यस्त रखेंगी। परिवार का सहयोग मिलेगा, लेकिन अपनी बात स्पष्ट रूप से रखने में थोड़ी कठिनाई हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*



**कर्क:** आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा, लेकिन कुछ चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना जरूरी है। आंखों से जुड़ी परेशानी हो सकती है, इसलिए सावधानी रखें। कार्यक्षेत्र में थोड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*



**सिंह:** आज नए काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और ऊर्जा बनी रहेगी। फैसले लेते समय धैर्य और समझदारी का परिचय दें। बिना मांगे सलाह देने से बचें। कानूनी मामलों में सफलता मिल सकती है। आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*



**कन्या:** घर के निर्माण या सुधार पर खर्च हो सकता है। घरेलू कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। व्यापार में कोई अहम डील आपके पक्ष में जा सकती है। आप अपने काम को बेहतरीन तरीके से पूरा करेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। दिनभर भागदौड़ बनी रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*



**तुला:** कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारियां आ सकती हैं। आध्यात्मिकता की ओर रुझान बढ़ेगा। योजनाबद्ध तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। छात्रों को मेहनत बढ़ानी होगी। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*



**वृश्चिक:** परिवार या विवाह से जुड़े आयोजनों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं। व्यापार सामान्य गति से चलेगा। आपकी सरलता का कुछ लोग गलत फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। छोटे भाई-बहनों को लेकर चिंता बनी रहेगी। जोखिम भरे स्थानों पर जाने से बचें। *(सिटी दर्पण)*



**धनु:** नए व्यापार की शुरूआत के लिए दिन शुभ है। गलत संगत से दूर रहना फायदेमंद रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। अविवाहित लोगों के विवाह की चर्चा हो सकती है। दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बन सकता है। बच्चे आज अनुशासित व्यवहार करेंगे और काम समय पर पूरे होंगे। *(सिटी दर्पण)*



**मकर:** आज दिनचर्या थोड़ी असंतुलित रह सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी पकड़ मजबूत होगी। नया वाहन खरीदने का विचार बन सकता है। गुस्से पर काबू रखना जरूरी है। उधार दिया गया पैसा वापस मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*



**कुंभ:** आत्मसम्मान बनाए रखें और भावनाओं पर नियंत्रण रखें। खानपान में सुधार करने की जरूरत है। विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं। प्रेम संबंधों में संवाद की कमी महसूस होगी। जल्दबाजी में लिए गए फैसले आर्थिक नुकसान दे सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*



**मीन:** आज आपकी योजनाएं किसी वजह से रुक सकती हैं, जिससे मन थोड़ा निराश रहेगा। परिवार में तनाव की स्थिति बन सकती है। दांपत्य जीवन में मतभेद बढ़ सकते हैं। व्यापार में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से मन खिन्न हो सकता है। निरंतर प्रयास बनाए रखें, तभी सफलता मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

# रंधावा आत्महत्या प्रकरण में गिरफ्तार पूर्व मंत्री के विभाग नए मंत्रियों को आवंटित

## वित्त मंत्री हरपाल चीमा को ट्रांसपोर्ट, निकाय मंत्री को जेल विभाग दिया गया

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने मंगलवार को एक अहम फैसला लेते हुए पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर के विभाग नए मंत्रियों को आवंटित कर दिए हैं। अमृतसर में वेयरहाउसिंग के जिला प्रबंधक गगनदीप रंधावा आत्महत्या मामले में पूर्व परिवहन एवं जेल मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसलिए परिवहन विभागपंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा को औरजेल विभाग डॉ. रवजोत को सौंपा गया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने आज पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा को ट्रांसपोर्ट विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ. रवजोत को जेल विभाग देखेंगे। अभी तक उनके पास एनआईआरआई विभाग की जिम्मेदारी थी। लालजीत भुल्लर को मंत्री पद से हटाए जाने के बाद अब मंत्रिमंडल में 15 मंत्री शेष रह गए हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार 16 मार्च, 2022 को बनी थी। उसके बाद से मंत्रियों के पदभार कुल 9 बार बदलाव हुए हैं। 21 मार्च, 2022 को शुरूआती कैबिनेट गठन किया गया। इसमें 10 मंत्री शामिल किए गए। सीएम मान ने कई विभाग अपने पास रखे। इसके बाद 4 जुलाई, 2022 को पहला बड़ा विस्तार हुआ। 7 जनवरी, 2023 को फौजा सिंह सरारी का इस्तीफा हुआ। डॉ. बलबीर सिंह को शामिल किया गया। 31 मई, 2023 को इंदरबीर सिंह निज्जर की मंत्री मडल से छुट्टी हुई। बलकार सिंह और गुरमीत सिंह खुडियां को को शामिल किया गया। 16 मार्च, 2023 को 5 मंत्रियों के पोर्टफोलियो में बदलाव किया। इस दौरान अमन अरोड़ा से हाउसिंग छीना गया। 23 सितंबर, 2024 को बड़ा फेदरल हुआ। इस दौरान चार मंत्रियों चेतन सिंह जौड़ामाजरा, ब्रहम शंकर जिम्पा, बल्कर सिंह, अनमोल गगन मान की कैबिनेट से छुट्टी हुई। पांच नए चेहरे शामिल किए गए। इनमें बारिंदर कुमार गोयल, हरदीप सिंह मुंडियां, रवजोत सिंह, तरुणप्रीत सिंह सोंध, मोहिंदर भगत शामिल थे।

### सीबीआई को नहीं सौंपा जाएगा वेयरहाउसिंग जिला प्रबंधक की आत्महत्या का मामला

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर में वेयरहाउसिंग के जिला प्रबंधक गगनदीप रंधावा आत्महत्या मामले की जांच सीबीआई से करवाने से इनकार कर दिया है। चंडीगढ़ में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में भगवंत मान ने कहा कि यह मामला सामने आने के बाद परिवहन मंत्री इस्तीफा हो चुका है। उन्हें पंजाब पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। पंजाब के मुख्य सचिव को मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। नियमों के अनुसार पंजाब पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। भगवंत मान ने कहा कि इस मामले में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती गई है। हमारे लिए मंत्री-संतरी एक समान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिजनों की सहमति से रंधावा का पोस्टमार्टम हो चुका है। मजिस्ट्रेट की निगरानी में सिविल अस्पताल में कार्रवाई की गई है। भगवंत मान ने विपक्ष पर चुटकी लेते हुए कहा कि एक बात से मुझे बहुत खुशी हुई कि राजा वड़िंग, बिक्रम मजीठिया, सुनील जाखड़, प्रताप सिंह बाजवा सब एक ही गाड़ी में नजर आए।

### आत्महत्या करने वाले वेयरहाउसिंग के जिला प्रबंधक का चार दिन बाद हुआ संस्कार

चंडीगढ़। अमृतसर में आत्महत्या करने वाले वेयरहाउसिंग के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा का मंगलवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। रंधावा ने पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर पर संगीन आरोप लगाते हुए चार दिन पहले आत्महत्या की थी। पूर्व परिवहन मंत्री भुल्लर को सोमवार की शाम गिरफ्तार किए जाने के बाद मंगलवार को अमृतसर में डाक्टरों के बोर्ड ने रंधावा का पोस्टमार्टम किया। इस प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करवाई गई। इसके बाद अमृतसर में ही गगनदीप रंधवा का अंतिम संस्कार कर दिया गया। रंधावा को उनके दस साल के बेटे ने मुखाग्नि दी।

# अमन अरोड़ा द्वारा डी.ए.वी. कॉलेज में 3-दिवसीय कारवां 2026 का शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री तथा आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रधान श्री अमन अरोड़ा ने यहां डी.ए.वी. कॉलेज, सेक्टर-10 में तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम ₹कारवां 2026₹ का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन दिवस पर संस्थान की ओर से शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया।

इस अवसर पर जन सभा को संबोधित करते हुए श्री अमन अरोड़ा ने सांस्कृतिक महत्व और राष्ट्रवादी मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए संस्थान की सराहना की। उन्होंने वर्तमान संदर्भ में शहीद भगत सिंह की विचारधारा की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को अन्याय के विरुद्ध इस क्रांतिकारी योद्धा के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया और पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ अन्य ज्ञान अर्जित करने के लिए भी उत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि इस पवित्र दिवस पर हम केवल शहीदों को ही नहीं, बल्कि उनके संकल्पों को भी याद करते हैं। शहीद भगत सिंह ने औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया और शोषण, भूखमरी तथा असमानता से मुक्त समाज का सपना देखा।

शहीद भगत सिंह की भांजी श्रीमती गुरजीत कौर ढट्ट की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया। उन्होंने अपने मामा द्वारा दी गई कुर्बानियों और उनके स्थायी आदर्शों को याद करते हुए भावनात्मक श्रद्धांजलि दी, जिसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया।

प्रिंसिपल डॉ. मोना नारंग ने अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और एक ऐसी शाम की शुरूआत की, जिसमें इतिहास की गंभीरता और युवाओं की ऊर्जा का सुंदर संतुलन देखने को मिला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान देशभक्ति गीतों के मधुर समन्वय के माध्यम से देश के मूल्यों की झलक देखने को मिली। गुरविंदर और कर्शुभजीत सिंह द्वारा प्रस्तुत ₹भगत सिंह दी वार₹ ने क्रांतिकारी भावना को जीवंत कर दिया। आकर्षक देशभक्ति नृत्य-नाटिका, गुरप्रीत कौर और गुरकमल सिंह की प्रभावशाली कविता तथा गायक मन्ना मंड के जोशीले प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर गवर्निंग बॉडी के सदस्य प्रिंसिपल आर. सी. जीवन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमिता बख्शी (डी.एस.डब्ल्यू), डॉ. पूर्णिमा सहगल (अतिरिक्त डी.एस.डब्ल्यू) और डॉ. मनमिंदर सिंह आनंद (डिप्टी डी.एस.डब्ल्यू) के नेतृत्व में किया गया।

# हरदीप सिंह मुंडियां ने 14 उम्मीदवारों को तरस के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज यहां पंजाब भवन में विभाग में तरस के आधार पर 14 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

विभाग में शामिल हुए नए उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विभाग में ग्रुप ह्यसीह्व और ह्यडीह्व की ये नियुक्तियां राज्य सरकार की नीति के तहत की गई हैं, जो प्रभावित परिवारों को सहायता देने और इन परिवारों के योग्य आश्रितों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने पर आधारित है।

उन्होंने बताया कि कुल 14 उम्मीदवारों में से दो को क्लर्क, 9 को सेवादार, एक को सहायक सेवादार, एक को जूनियर तकनीशियन और एक को सहायक (तकनीकी) के रूप में नियुक्त किया गया है। श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए दृढ़ता से वचनबद्ध है और समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नियुक्ति पत्रों के वितरण पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि ये उम्मीदवार राज्य की प्रगति में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने नव-नियुक्त उम्मीदवारों को ईमानदारी, समर्पण और लगन से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने रोजगार देकर अपनी ज़िम्मेदारी निभा दी है, अब इन नव-नियुक्त उम्मीदवारों का कर्तव्य बनता है कि वे लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरें और ईमानदारी से काम करें। इस अवसर पर विभाग के प्रमुख सचिव श्री नीलकंठ एस. अवहद, विभाग प्रमुख मैडम सईद सहिरीश असगर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

# पंजाब लोक भवन कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

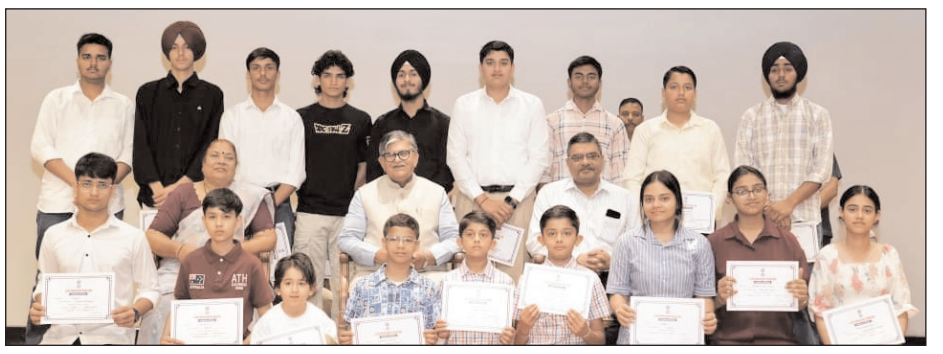

पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती अनीता कटारिया के साथ पंजाब लोक भवन के गुरु नानक ऑडिटोरियम में आयोजित एक समारोह में पंजाब लोक भवन कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को शिक्षा, खेल तथा अन्य क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनकी मेहनत को मान्यता देने के लिए राज्यपाल के विवेकाधीन कोष से उपलब्धि प्रमाण-पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि इस प्रकार का सम्मान बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाता है और उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों ही युवाओं के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि खेल गतिविधियाँ युवाओं को नशे से दूर रखने में सहायक होती हैं इस पहल के तहत 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10 के 11 विद्यार्थियों को 11,000-11,000 तथा कक्षा 12 के 3 विद्यार्थियों को 21,000-21,000 की राशि प्रदान की गई। नीट/जेईई की तैयारी कर रहे 6 विद्यार्थियों को कोचिंग फीस का 30 प्रतिशत अनुदान दिया गया, जिसकी कुल राशि 1,63,200 रही। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत 21 विद्यार्थियों को उनकी वार्षिक फीस का 30 प्रतिशत सहायता प्रदान की गई, जिसकी कुल राशि 6,25,900 रही। उच्च शिक्षा के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे एक विद्यार्थी को 10,900 की सहायता भी दी गई।

खेल श्रेणी में 7 विद्यार्थियों को कुल 41,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई, जबकि राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों, स्कूल स्तर पर पदक विजेताओं तथा ग्रुप-ए अधिकारियों के दो बच्चों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए अतिरिक्त प्रमाण-पत्र दिए गए। कुल मिलाकर 10.25 लाख की वित्तीय सहायता के साथ 25 प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। पिछले वर्ष (2024-25) भी इसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। उस दौरान कक्षा 10 और 12 के 16 मेधावी विद्यार्थियों को क्रमशः 11,000 और 21,000 की राशि दी गई थी। इसके अतिरिक्त नीट/जेईई अभ्यर्थियों, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को भी सहायता प्रदान की गई थी, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम करना था।

# स्पीकर कुलतार सिंह संधवां द्वारा पंजाब विधानसभा डायरी-2026 का उद्घाटन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने आज विधानसभा सचिवालय में वर्ष 2026 के लिए पंजाब विधानसभा डायरी का आधिकारिक उद्घाटन किया।

स्पीकर संधवां ने जोर देते हुए कहा कि सचिवालय ने वर्ष 2026 की इस डायरी के संस्करण को एक व्यापक संस्थागत संसाधन के रूप में तैयार किया है। उन्होंने कहा कि यह डायरी विधायी जिम्मेदारियों को सुव्यवस्थित ढंग से संगठित करने के लिए तैयार की गई है, ताकि सदस्यों और अधिकारियों को दैनिक संसदीय कार्यों के साथ-साथ दीर्घकालिक रणनीतिक योजना के लिए एक प्रभावी साधन उपलब्ध कराया जा सके।

स्पीकर ने कहा, यह प्रकाशन एक दैनिक योजनाकार के रूप में अपनी भूमिका निभाएगा। यह महत्वपूर्ण जानकारी का एक आवश्यक संग्रह है, जो आने वाले वर्ष के दौरान विधायी कार्यों के कुशल संचालन में सहायक सिद्ध होगा।

इस समारोह में स कुलवंत सिंह पंडोरी, माननीय विधायक (एम.एल.ए.), राम लोक खटाना, सचिव, पंजाब विधानसभा, स्पीकर के सचिव सुरिंदर सिंह मोती तथा स्पीकर के ओ.एस.डी. मनिंदर सिंह सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि डायरी-2026 पंजाब विधानसभा के एक वर्ष के सभी प्रशासनिक और विधायी कार्यक्रमों के लिए एक महत्वपूर्ण और उपयोगी साधन सिद्ध होगी।

# डॉ. बलजीत कौर द्वारा मलोट में 16.25 करोड़ का वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट शुरू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/मलोट

मलोट विधानसभा क्षेत्र की विधायक एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर के प्रयासों से मलोट शहर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि अमरूत 2 योजना के तहत 16.25 करोड़ की लागत से मलोट शहर के लिए वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट की आज शुरूआत की गई है, जिससे लगभग एक लाख की आबादी को सीधे लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत सरहिंद फीडर पर नई पंपिंग मशीनरी स्थापित की जाएगी तथा लीकेज के कारण खराब हो चुकी 8300 मीटर पुरानी पाइपलाइन को बदलकर नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इसके साथ ही शहर के हर कोने तक पानी पहुंचाने के लिए लगभग 20 किलोमीटर नई पाइपलाइन भी डाली जाएगी।

उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के अंतर्गत लगभग 3000 घरों को नए हाउस कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे, जिससे लोगों को स्वच्छ और पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध होगा।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे मलोट के निवासियों को पानी की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

## संक्षिप्त-समाचार

### भारतीय मजदूर संघ, चंडीगढ़ का वार्षिक अधिवेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न

**चंडीगढ़।** भारतीय मजदूर संघ, चंडीगढ़ का वार्षिक अधिवेशन आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ । अधिवेशन की अध्यक्षता पवित्तर सिंह (महासचिव, भारतीय मजदूर संघ पंजाब एवं चंडीगढ़) द्वारा की गई । कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया और संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। अधिवेशन में भारतीय मजदूर संघ, चंडीगढ़ की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें पदाधिकारी निम्नानुसार घोषित हुएः अध्यक्षः सरदार बलविंदर सिंह (इंजीनियरिंग विभाग, यू.टी. चंडीगढ़) उपाध्यक्षः राजिंदर सिंह, जगमोहन सिंह, दिग्विजय, मनदीप सिंह और अरुण कुमार । महासचिव : सरदार जसवंत सिंह, सी.टी.यू संयुक्त सचिव : शिव मूरत, शिक्षा विभाग।

### एक्सिस मैक्स लाइफ और सारथी फाइनेंस ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

**चंडीगढ़।** एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड ने सारथी फाइनेंस एंड क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड के साथ रणनीतिक कॉरपोरेट एजेंट साझेदारी की है। सारथी फाइनेंस एक नेक्स्ट जनरेशन नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी है, जिसका उद्देश्य भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को लोन देते हुए क्रेडिट गैप को कम करना है। अंतिम छोर तक सारथी की पहुंच का लाभ लेते हुए इस साझेदारी के माध्यम से एक्सिस मैक्स लाइफ का इंश्योरेंस प्रोडक्ट - ग्रुप क्रेडिट लाइफ सिक्योर (जीसीएलएस) उपलब्ध कराया जाएगा। इससे माइक्रो एवं नैनो उद्यमियों के वित्तीय हितों की रक्षा हो सकेगी। यह प्रोडक्ट एक सिक्योरिटी शील्ड की तरह काम करेगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि किसी दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में कर्ज का बोझ परिवार या बिजनेस पर न पड़े। एक्सिस मैक्स लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर सुमित मदान ने कहा कि सारथी फाइनेंस के साथ हमारी साझेदारी भारत की उद्यमिता की मूल आत्मा को सुरक्षित रखने की दिशा में एक अहम कदम है। सारथी फाइनेंस के डिजिटल-फर्स्ट लेंडिंग को एक्सिस मैक्स लाइफ के इंडस्ट्री लीडिंग क्लेम सेटलमेंट के साथ मिलाते हुए हम एक ऐसे सेफ्टी नेट के साथ एमएसएमई क्रेडिट गैप को कम कर रहे हैं, जो हजारों उद्यमियों के लिए फाइनेंशियल प्रोटेक्शन को एक वास्तविकता में बदलता है।

### उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदम, शिक्षा के साथ नई ऊंचाइयों की उड़ान

**चंडीगढ़।** मोती राम आर्य सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल, सेक्टर-27 चंडीगढ़ में आयोजित वार्षिक परिणाम समारोह में नौनिहालों की प्रतिभा का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने माहौल को आनंदमय और जीवंत बना दिया। कक्षा दूसरी, तीसरी व चौथी के परिणाम घोषित किए गए, जिसमें कक्षा दूसरी की छात्रा रिया को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्कूल डायरेक्टर रचना महाजन, हेडमिस्टर सोनिया भारद्वाज और अध्यापिका दीक्षा द्वारा ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया, वहीं अन्य मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

## मुंडियां ने बताया कि श्री भैणी साहिब गांव के लिए 13.36 करोड़ रुपये की सीवरेज योजना को मंजूरी दी

# मान सरकार द्वारा साहनेवाल के लिए 23.99 करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचा प्रोजेक्टों को मंजूरी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/लुधियाना

- ऐतिहासिक श्री भैणी साहिब गांव के लिए मेगा सीवरेज योजना और साहनेवाल के लिए नया सब-तहसील कॉम्प्लेक्स मंजूर
- लुधियाना ज़िले में सफाई सुविधाओं में सुधार और प्रशासनिक कार्यकुशलता को मजबूत करेंगे प्रोजेक्टः हरदीप सिंह मुंडियां

ग्रामीण बुनियादी ढांचे और जन सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए पंजाब सरकार ने लुधियाना ज़िले के साहनेवाल क्षेत्र के लिए 23.99 करोड़ रुपये के दो प्रोजेक्टों को मंजूरी दी है। इनमें ऐतिहासिक गांव श्री भैणी साहिब के लिए मेगा सीवरेज योजना और साहनेवाल के लिए आधुनिक सब-तहसील कॉम्प्लेक्स का निर्माण शामिल है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री एवं साहनेवाल से विधायक श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि श्री भैणी साहिब गांव के लिए 13.36 करोड़ रुपये की सीवरेज योजना को मंजूरी दी गई है।

इस प्रोजेक्ट के तहत 1.80 किमी लंबा मुख्य या इंटरसेप्टिंग सीवर और 18.13 किमी लंबा लेटरल सीवर नेटवर्क बिछाया जाएगा तथा 670 घरों को कनेक्शन दिए जाएंगे। इसके साथ ही एक मुख्य पंपिंग स्टेशन का निर्माण और 1.0 एमएलडी क्षमता वाला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि यह मांग गांव की पंचायत और श्री भैणी साहिब संप्रदाय प्रबंधक समिति द्वारा संयुक्त रूप से रखी गई थी क्योंकि बढ़ती आबादी और पुरानी हो चुकी सीवरेज सुविधाओं के कारण नए सीवरेज और जल आपूर्ति प्रणाली की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

गौरतलब है कि 9 जनवरी, 2026 को जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गांव का दौरा किया था, जहां यह सामने आया कि 2001-02 में बिछाया गया मौजूदा सीवरेज सिस्टम अपनी मियाद पूरी कर चुका है और गांव में किसी भी प्रकार की ट्रीटमेंट सुविधा उपलब्ध नहीं है।

इसी तरह एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले के तहत पंजाब सरकार ने साहनेवाल में नया सब-तहसील कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए 10.64 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह प्रोजेक्ट प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने और लोगों को नागरिक सेवाएं सुगमता से प्रदान करने पर केंद्रित है।

श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि नया कॉम्प्लेक्स साहनेवाल और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों को राजस्व विभाग से संबंधित और प्रशासनिक सेवाओं के लिए लुधियाना जाने की आवश्यकता से मुक्त करेगा। उन्होंने कहा कि इससे केसों के तेज निपटारे, प्रशासनिक कार्यकुशलता में सुधार और आधुनिक प्रणाली के माध्यम से राजस्व संग्रह में भी वृद्धि होगी।

कैबिनेट मंत्री ने मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान का धन्यवाद करते हुए कहा कि ये दोनों प्रोजेक्ट साहनेवाल क्षेत्र के विकास को नई दिशा देंगे और जमीनी स्तर पर प्रशासनिक सेवाओं को और मजबूत करेंगे।

उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं और प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

# तेहरान को वाशिंगटन से मिला संदेश, ट्रंप समझौते को तैयारः ईरानी अधिकारी

## ट्रंप ने वापस ली हमले की धमकी, पर्दे के पीछे बातचीत शुरू

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/तेहरान

पिछले माह 28 फरवरी से छिड़े युद्ध के बीच तेहरान को मध्यस्थों के जरिए वाशिंगटन से संदेश मिला है। यह संदेश अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की संभावित शुरुआत हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया था कि दोनों देशों के बीच समझौता संभव है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी अधिकारी ने कहा, हमें मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका से कुछ सार्थक मिले हैं। हम उनकी समीक्षा कर रहे हैं। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के संबंध में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है। उन्होंने


फोटोः हि.स.

इसके बाद पत्रकारों से कहा कि दोनों पक्षों के बीच लगभग 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वे शांति चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सप्ताहांत में ईरान को दी गई धमकी भी वापस ले ली। उन्होंने कहा था कि 48 घंटे के अंदर अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता तो उसके बिजली संयंत्रों पर हमला किया जाएगा। ईरान के विदेश मंत्रालय ने शुरू में इस बात से इनकार किया था कि दोनों देशों के बीच कोई बातचीत चल रही है। अब ट्रंप के बयानों से यह उम्मीद जगी कि सैन्य संघर्ष अब खत्म होने के करीब हो सकता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और अमेरिका के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। बावजूद इसके ऐतिहासिक रूप से वे एक-दूसरे से अप्रत्यक्ष रूप से ही बातचीत कर रहे हैं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका ईरान के एक शीर्ष व्यक्ति के साथ बातचीत कर रहा है, लेकिन वह सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई नहीं है।

उन्होंने उस व्यक्ति का नाम बताने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने यहां तक कहा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाने पर सहमत हो गया है। इससे पहले ट्रंप इस बात पर जोर देते रहे हैं कि ईरान यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह से छोड़ दे। ईरान लंबे समय से उनके इस प्रस्ताव को ठुकराता रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इजराइल अमेरिका-ईरान के किसी भी संभावित समझौते का हिस्सा होगा। अमेरिका-इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले शुरू किए थे। इस बीच अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि खुफिया आकलन से पता चला है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कम से कम एक दर्जन ईरानी बारूदी सुरंगें मौजूद हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोमवार को कहा कि ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से उसने 9,000 से अधिक ईरानी ठिकानों पर हमले किए हैं। इनमें 140 से ज्यादा ईरानी नौसैनिक जहाज शामिल हैं।

### ओमान में अमेरिकी दूतावास की एडवाइजरी– ‘घर में सुरक्षित रहें’, बढ़ते तनाव के बीच चेतावनी

मस्कट। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी दूतावास ने ओमान में ‘शेल्टर इन प्लेस’ यानी जहां हैं वहीं सुरक्षित रहने की एडवाइजरी जारी की है। यह चेतावनी पूरे देश के लिए दी गई है, हालांकि ‘चल रही गतिविधियों’ के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई। दूतावास ने अपने सुरक्षा अलर्ट में नागरिकों से कहा है कि वे अपने घर या किसी सुरक्षित इमारत में रहें और अनावश्यक बाहर न निकलें। साथ ही, भोजन, पानी, दवाइयों और अन्य जरूरी सामान का पर्याप्त भंडार रखने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि अगर किसी तरह का हमला होता है तो लोग मलबे या क्षतिग्रस्त स्थानों से दूर रहें और आधिकारिक सूचनाओं के लिए विश्वसनीय समाचार माध्यमों पर नजर बनाए रखें। इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने ओमान से गैर-जरूरी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को देश छोड़ने के निर्देश दिए थे। यह कदम ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल संघर्ष शुरू होने के कुछ दिनों बाद उठाया गया था। यह चेतावनी क्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता और संभावित खतरों को देखते हुए जारी की गई है। इससे साफ है कि मौजूदा हालात में सुरक्षा एजेंसियां किसी भी अप्रत्याशित स्थिति के लिए सतर्क हैं।

# पेंटागन में अखबारों और चैनलों के कार्यालय होंगे बंद, अमेरिकी रक्षा विभाग का फैसला

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन


फोटोः हि.स.

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन में स्थित अखबारों और चैनलों (मीडिया) के कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया गया है। इसे पेंटागन प्रेस ऑपरेशंस (पीपीओ) के नाम से जाना जाता रहा है। रक्षा विभाग ने पेंटागन इमारत के अंदर स्थित मीडिया कार्यालयों को हटाने के साथ पत्रकारों के लिए नई क्रेडेंशियल नीति लागू करने की घोषणा की है। पेंटागन ने यह फैसला एक फेडरल जज के एक मुकदमे में 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' का पक्ष में फैसला आने के बाद लिया। इस मुकदमे में रिपोर्टरों के बिल्डिंग में आने-जाने पर लगाई गई पाबंदियों को चुनौती दी गई थी। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा विभाग के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि पेंटागन का एक इलाका जिसे कॉरेस्पॉन्डेंट्स कॉरिडोर के नाम से जाना जाता है।

इसका इस्तेमाल रिपोर्टर दशकों से अमेरिकी सेना की खबरें कवर करने के लिए करते आ रहे हैं, उसे तुरंत बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार बाद में बिल्डिंग के बाहर बने एक एनेक्स (अतिरिक्त भवन) से काम कर पाएंगे। यह भवन तैयार होने पर उपलब्ध होगा। उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि इसमें कितना समय लगेगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह फैसला जज के आदेश का उल्लंघन है और असंवैधानिक है। टाइम्स के प्रवक्ता चार्ली स्टैडलैंडर ने कहा, हम दोबारा अदालत जाएंगे। पेंटागन प्रेस एसोसिएशन ने इस नीति को पिछले हफ्ते आए फैसले की भावना का साफ उल्लंघन बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, पत्रकारों को अभी भी प्रेस कॉन्फ्रेंस और साक्षात्कारों के लिए पेंटागन के अंदर जाने की अनुमति होगी, लेकिन अब उन्हें एस्कॉर्ट (सुरक्षा घेरे) के साथ जाना पड़ सकता है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध और वेनेजुएला में हाल ही में हुए अमेरिकी ऑपरेशन का जिक्र करते एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया कि ऐसे नाजुक समय में हम यह सवाल पूछते हैं कि पेंटागन प्रेस की उस जरूरी आजादी पर पाबंदी क्यों लगा रहा है, जो सभी अमेरिकियों को जानकारी देने में मदद करती है यह नई नीति राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के दौरान प्रेस की पहुंच को लेकर चल रहे विवादों की ताजा कड़ी है। इस प्रशासन ने पारंपरिक मीडिया पर पाबंदियां लगाई हैं। जबकि रूढ़िवादी मीडिया संस्थानों को बढ़ावा दिया है। पिछले साल सीबीएस न्यूज, एबीसी न्यूज, एनबीसी न्यूज, सीएनएनऔर फॉक्स न्यूज आदि के रिपोर्टरों ने अपने पेंटागन के पास लौटा दिए थे।

# बांग्लादेश में पूर्व सैन्य अधिकारी मसूद उद्दीन चौधरी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

बांग्लादेश में पूर्व सैन्य अधिकारी और फेनी-3 के पूर्व सांसद लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) मसूद उद्दीन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी आज सुबह बारीधारा इलाके से पुलिस ने की। वे सैन्य समर्थित कार्यवाहक सरकार के दौरान एक प्रमुख हस्ती थे। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की।

द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लाम ने बताया कि उन पर कम से कम चार मामलों में आरोप थे। उन्हें बारीधारा डीओएचएस स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया। बताया गया है कि 11 जनवरी, 2007 को जब पूरे देश में आपातकाल घोषित किया गया था तब मसूद सावर में 9 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) थे। उन्हें 'गंभीर अपराधों


फोटोः हि.स.

और भ्रष्टाचार पर राष्ट्रीय समन्वय समिति' का मुख्य समन्वयक बनाया गया था। इसके कुछ ही समय बाद, 02 जून, 2008 को उन्हें लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया और 'नेशनल डिफेंस कॉलेज' में नियुक्त किया गया। एक सप्ताह से भी कम समय में उन्हें विदेश मंत्रालय में भेज दिया गया और 08 जून, 2008 को कैनबरा स्थित बांग्लादेश उच्चायोग में नियुक्त किया गया। उन्होंने राजनीति की शुरूआत जातीय पार्टी से की। उन पर एक हत्या के मामले में वारंट था और भ्रष्टाचार व अवैध संपत्ति बनाने के आरोप भी हैं। हाल ही में सीआईडी ने उनके खिलाफ लगभग 100 करोड़ टका की मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी दर्ज किया है।

# कोलंबिया में सैन्य विमान दुर्घटना में कम से कम 66 की मौत

एजेंसी (हि.स.)
बोगोटा (कोलंबिया)


फोटोः हि.स.

दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में एक सैन्य विमान दुर्घटना में कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई है। कोलंबिया के सशस्त्र बलों के प्रमुख ने यह जानकारी दी है। कोलंबियाई वायु सेना के कमांडर फर्नांडो सिल्वा ने एक्स पोस्ट पर साझा किए गए वीडियो में कहा कि लॉकहीड मार्टिन हरक्यूलिस सी-130 विमान में 114 यात्री और 11 क्रू सदस्य सवार थे। हादसे के कारणों की जांच चल रही है। रक्षामंत्री पेड्रो अनुलफो सांचेज ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है।

स्काई न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, रक्षामंत्री पेड्रो अनुलफो सांचेज ने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए लोगों से आग्रह किया है कि जब तक आधिकारिक जानकारी उपलब्ध न हो जाए, तब तक किसी भी तरह की अटकलों से बचें। बताया गया है कि कोलंबिया ने 1960 के दशक से ही सी-130 विमान खरीदना शुरू कर दिया था। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने उन लोगों की आलोचना की जो सेना को आधुनिक बनाने की उनकी योजनाओं में रुकावट डाल रहे थे। पेट्रो ने एक्स पर कहा, मैं अब और देरी बर्दाश्त नहीं करूंगा। हमारे युवाओं की जान दांव पर लगी है। अगर नागरिक या सैन्य प्रशासनिक अधिकारी इस चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं हैं, तो उन्हें उनके पदों से हटा दिया जाना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि इस विमान ने कोलंबिया के दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के भीतरी इलाके में स्थित एक हवाई अड्डे से उड़ान भरी। यह हवाई अड्डा पेरू की सीमा पर स्थित है। स्थानीय ब्लू रेडियो के अनुसार, यह हादसा एक व्यस्त शहरी केंद्र से महज दो मील की दूरी पर हुआ। इस विमान ने घने वर्षा वन के ऊपर से उड़ान भरी। इसके बाद दुर्घटना का शिकार हो गया।

इस विमान का इस्तेमाल दुनिया भर की सेनाएं करती हैं। इन्हें सबसे पहले 1950 के दशक में लॉन्च किया गया। कोलंबिया ने 1960 के दशक के आखिर में इसके पहले संस्करण को हासिल किया।

पिछले महीने, बोलीवियाई वायुसेना का सी-130 विमान ऑल्टो शहर में क्रैश हो गया था। इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल कोलंबिया में यह दूसरा विमान हादसा है। जनवरी में देश के उत्तरी हिस्से में एक छोटा यात्री विमान क्रैश हो गया था। हादसे में सभी 15 लोगों की मौत हो गई थी।

## संक्षिप्त-समाचार

### नेपाल के नवनियुक्त सांसद संस्कृत, मैथिली, भोजपुरी, अवधी में भी लेंगे शपथ

**काठमांडू।** नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में निर्वाचित 24 सांसद अपनी मातृभाषा में शपथ लेने वाले हैं। इनमें कुछ सांसदों ने संस्कृत भाषा से लेकर मैथिली, भोजपुरी, अवधी, मगही, थारू भाषा में भी शपथ लेने की जानकारी संसदीय सचिवालय को दी है। नेपाल के संसदीय सचिवालय के अनुसार नवनियुक्त सांसद 26 मार्च को दोपहर 2 बजे निर्धारित शपथ समारोह में वे अपनी-अपनी भाषा में शपथ लेंगे। संघीय संसद सचिवालय ने मातृभाषा में शपथ लेने के इच्छुक सांसदों को 3 दिन पहले ही सूचना देने के लिए कहा था। संसद सचिवालय के प्रवक्ता एकराम गिरी के अनुसार, अपनी अपनी मातृभाषा में शपथ लेने वाले सांसदों की संख्या 24 पहुंच गई है। उन्होंने कुल 11 अलग-अलग मातृभाषाएं चुनी हैं। आगामी 25 मार्च को प्रोटेम स्पीकर की शपथ राष्ट्रपति भवन में होने के बाद, 26 मार्च को संसद भवन में बाकी सदस्यों का शपथ ग्रहण होगा, जहां ये 24 सांसद अपनी मातृभाषा में शपथ लेंगे।

### जीएसपी क्रॉप साइंसेज की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

**नई दिल्ली।** एग्रोकेमिकल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस के शेयर आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करने में सफल रहे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 320 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 332.30 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 328 रुपये के स्तर हुई। इस तरह कंपनी के शेयर करीब तीन प्रतिशत का लिस्टिंग गेन पाने में सफल रहे। लिस्टिंग के बाद से ही इस शेयर के भाव में लगातार उतार चढ़ाव हो रहा है। खरीदारी के सपोर्ट से ये 362.30 रुपये के स्तर तक पहुंच गया, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये 327.35 रुपये के स्तर तक गिर भी गया। दोपहर 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 329.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 329.60 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 2.90 प्रतिशत से अधिक का फायदा हो चुका है। जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.64 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.66 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.14 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.42 गुना ही सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.25 करोड़ शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 240 करोड़ रुपये के 75 लाख नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की ब्रिकी के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

### स्टॉक मार्केट में आरआईआईटी की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

**नई दिल्ली।** भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा समर्थित राजमार्ग इन्फ्रा इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी ने इश्यू प्राइस 100 रुपये प्रति यूनिट तय किया था। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग आठ प्रतिशत प्रीमियम के साथ 108 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर सात प्रतिशत के साथ 107 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने पर ये 105.30 रुपये तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद लिवाली शुरू हो जाने पर इसकी स्थिति में सुधार भी हुआ। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 106.38 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 106.33 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 6.30 प्रतिशत से अधिक के फायदे में थे। राजमार्ग इन्फ्रा इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) का 6,000 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 13 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 13.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 19.14 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 7.26 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत 100 रुपये प्रति यूनिट वाले 60 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं।

### शुरूआती कारोबार में उतार चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में तेजी का रुख

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती बनी हुई है। पश्चिम एशिया में सीजफायर होने की सुगबुगाहट के बीच आज के कारोबार की शुरूआत जोरदार उछाल के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद सीजफायर को लेकर बने सस्पेंस की वजह से लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। शुरूआती कारोबार में बिकवालों का पलड़ा भारी पड़ता हुआ नजर आ रहा था। हालांकि बाजार की शुरूआत आज इतनी जोरदार तेजी के साथ हुई थी कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद दोनों सूचकांक मजबूती के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। सुबह 10 तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.05 प्रतिशत और निफ्टी 1.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अपोलो हॉस्पिटल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंटरग्लोब एवियशन, बजाज ऑटो और श्रीराम फाइनेंस के शेयर 2.93 प्रतिशत से लेकर 2.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, आईटीसी, इंफोसिस और कोल इंडिया के शेयर 2.42 प्रतिशत से लेकर 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

# सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में गिरावट लगातार जारी है। आज भी शुरूआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,35,790 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर


फोटोः हि.स.

रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,35,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,24,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,24,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,35,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,24,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

### नेपाल में ईंधन खपत कम करने के उद्देश्य से वाहनों में ऑड इवेन लागू करने पर विचार

**काठमांडू।** नेपाल सरकार ने पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष के कारण ईंधन की आपूर्ति बाधित होने के मद्देनजर देश में ईंधन की खपत घटाने के मकसद से वाहनों पर ऑड-ईवेन यानी सम-विषम प्रणाली लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। नेपाल का आपूर्ति मंत्रालय देश में पेट्रोलियम पदार्थों की खपत कम करने के उद्देश्य से सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के वाहनों पर यह प्रणाली लागू करने को लेकर संबंधित निकायों के साथ चर्चा कर रहा है। मंत्रालय के प्रवक्ता नेत्र प्रसाद सुवेदी के अनुसार, इस व्यवस्था को लागू करने के लिए मंत्रालय स्तर पर आंतरिक चर्चा जारी है। इसी विषय पर यातायात व्यवस्था विभाग ने भी अपनी ओर से पहल करते हुए आज परिवहन व्यवसायियों के साथ बैठक रखी है। आपूर्ति मंत्रालय इस बात पर विचार कर रहा है कि तारीख के हिसाब से वाहनों में सम विषम प्रणाली लागू किया जाए। नेपाल में तेल की आपूर्ति में कमी आने के कारण अधिक दिनों तक ईंधन की आपूर्ति करने के उद्देश्य से यह शुरू किया जा रहा है। मंत्रालय का मानना है कि इस प्रणाली के लागू होने से सड़कों पर वाहनों की संख्या कम होगी, जिससे ईंधन की खपत घटती है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां हैं।

### आंध्र प्रदेश में सोशल मीडिया पर आतंकी विचार वाली सामग्री प्रसारित करने में तीन संदिग्ध गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद



फोटोः हि.स.

आंध्र प्रदेश पुलिस ने सोशल मीडिया पर कथित रूप से उग्रवादी विचारधारा का समर्थन करने और आतंकी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका में विजयवाड़ा से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों से पूछताछ कर रही है।

एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को इनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया अधिकारियों ने एक संयुक्त अभियान में सोमवार को विजयवाड़ा के टू टाउन इलाके से रहमतुल्ला शरीफ (23), मिर्जा सोहैल बेग (23) और मोहम्मद दानिश (27) को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों पर एक धर्मविशेष की आतंकी विचार वाली सामग्री को सोशल मीडिया पर प्रचारित-प्रसारित करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि तीनों संदिग्ध आरोपितों के संपर्क और उनकी गतिविधियों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ईरान-इजराइल युद्ध को देखते हुए पुलिस और खुफिया एजेंसियां आजकल सोशल प्लेटफार्मों और अन्य ऑनलाइन गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रख रही हैं। इसी दौरान ये लोग भी पुलिस के रडार पर आए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह समूह देशभर में सक्रिय लगभग 10 सदस्यों के नेटवर्क का हिस्सा हैं, जो कथित रूप से युवाओं को प्रभावित कर उन्हें आतंकी गतिविधियों की ओर मोड़ने का प्रयास कर रहा था। पुलिस आरोपितों के आतंकवादी संगठनों से संभावित संबंधों और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों की प्रकृति का पता लगाने के लिए जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

# मणिपुर के तेंगनोपाल से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (आरए) के 10 कैडर गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल



मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के विरूद्ध सुरक्षा बलों का अभियान जोरदार तरीके से जारी है। इसी कड़ी में तेंगनोपाल जिले से प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (आरए) के 10 कैडरों को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय के मंगलवार जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बताया गया है कि खुफिया सूचना के आधार पर सोमवार को चलाए गए अभियान के दौरान तेंगनोपाल जिला मोरे थानांतर्गत भारत-म्यांमार अंतरराष्ट्रीय सीमा के स्तंभ संख्या 77 और 82 के बीच से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन प्रीपाक (आरए) के दस सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कैडरों में पांच किशोर भी शामिल हैं।

गिरफ्तार कैडरों की पहचान कीथेलकपम शांजित सिंह उर्फ लोइचिंगबा (34), फौगाकचाओ मामंग लेइकाई, बिष्णुपुर जिला; सलाम रोहित मैतेई उर्फ पंथुंग (35), निंगथौखोंग मामंग लेइकाई, बिष्णुपुर जिला; खाइदेम जैक्सन सिंह उर्फ वांगंबा (27), वाइखोंग केइराम लेइकाई, काकचिंग जिला; क्षत्रिमयुम इनाओसाना सिंह उर्फ कुमारजीत (36), अवांग लेइकिंथाबी माखा लेइकाई, इंफाल पश्चिम जिला; सेनजम थोइबिनाओ मैतेई (36), केइकोन माखा लेइकाई, इंफाल पूर्व जिला के रूप में की गई है।

वहीं इन पांच किशोरों के साथ व्यवहार किशोर न्याय अधिनियम के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार किया जा रहा है। पुलिस गिरफ्तार कैडरों से पूछताछ कर रही है।

नवरात्रि

## विशेष अनुष्ठान और 'कालरात्रि' पूजन की तैयारी

# मां समलेश्वरी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

एजेंसी (हि.स.)
जांजगीर-चांपा

चांपा शहर स्थित मां समलेश्वरी मंदिर नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जमींदार परिवार द्वारा स्थापित इस मंदिर की महिमा अत्यंत निराली मानी जाती है। मान्यता है कि नवदाम्पत्य जीवन की शुरूआत से पहले हर जोड़ा यहां आकर माता के चरणों में शीश नवाता है और मां समलेश्वरी का आशीर्वाद लेकर ही अपने नए जीवन की शुरूआत करता है।

नवरात्रि के नौ दिनों तक मंदिर में तिथि अनुसार माता को विशेष भोग अर्पित किए जाते हैं, जिनका धार्मिक महत्व भी अलग-अलग माना गया है। प्रतिपदा को घी का भोग लगाने से रोगों से मुक्ति मिलती है, द्वितीया को शक्कर का भोग दीघार्यु प्रदान करता है, तृतीया को दूध का भोग दुखों का नाश करता है और चतुर्थी को मालपुआ अर्पित करने से विघ्न और क्लेश दूर रहते हैं। पंचमी को केले का भोग बुद्धि और कौशल में वृद्धि करता है, षष्ठी को मधु से शांति मिलती है, सप्तमी को गुड़ का भोग शोक दूर करता है, अष्टमी को नारियल अर्पित करने से मानसिक ताप शांत होता है और नवमी को लाई का भोग लोक-परलोक में सुख-समृद्धि प्रदान करता है। महाअष्टमी की रात्रि में माता को नींबू की माला अर्पित करने की विशेष परंपरा भी यहां निभाई जाती है। इसी कड़ी में चैत्र नवरात्र के अवसर पर 25 मार्च 2026, बुधवार को मां कालरात्रि पूजन का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह पूजन रात्रि 11:00 बजे से मां समलेश्वरी मंदिर परिसर में संपन्न होगा। आयोजन के दौरान महानिशा पूजन किया जाएगा तथा माता को विशेष रूप से नींबू की माला अर्पित की जाएगी। आयोजकों के अनुसार इस पूजन से श्रद्धालुओं को मनोवांछित फल, शत्रु बाधाओं से मुक्ति और स्थिर



लक्ष्मी की प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है। मंदिर के इतिहास की जानकारी पंडित अतुल द्विवेदी ने देते हुए बताया कि वर्ष 1760 में तत्कालीन जमींदार विश्वनाथ सिंह द्वारा इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। उस समय हसदेव नदी का पूर्वी भाग ओडिशा के संबलपुर रियासत के अधीन था, जबकि पश्चिमी भाग रतनपुर रियासत में आता था। दोनों रियासतों के बीच हुए युद्ध में चांपा जमींदार परिवार के पूर्वजों ने रतनपुर का साथ दिया, जिसके बाद विजय के पश्चात यह क्षेत्र उन्हें प्रदान किया गया और चांपा जमींदारी की स्थापना हुई। इसके बाद धार्मिक आस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से संबलपुर की प्रसिद्ध समलेश्वरी देवी का मंदिर चांपा में बनवाया गया और उन्हें कुलदेवी के रूप में स्थापित किया गया। आज भी चैत्र और क्वांर नवरात्रि में यहां मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए जाते हैं और जवारा विसर्जन की अनूठी परंपरा निभाई जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां समलेश्वरी के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे सपरिवार उपस्थित होकर मां कालरात्रि पूजन में शामिल हों और माता का आशीर्वाद प्राप्त करें। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

# द. अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

## अफ्रीका दौरे पर पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगी टीम इंडिया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। चयन समिति ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए संतुलित और मजबूत टीम चुनी है, जिसकी कमान हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना निभाएंगी।

टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी और श्रेयंका पाटिल जैसे नाम टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। इसके अलावा कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है, जिनमें काश्वी गौतम, क्रांति गौड़ और श्री चारणी शामिल हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यह टी20 सीरीज 17 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। सीरीज का दूसरा मैच 19, तीसरा 22 और चौथा 25 अप्रैल को खेला जाएगा। पहला और दूसरा मुकाबला डरबन में खेला जाएगा, जबकि तीसरा और चौथा मैच जोहान्सबर्ग में आयोजित होगा। सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला 27 अप्रैल को खेला जाएगा। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम और रात में खेले जाएंगे, जिससे भारतीय दर्शकों के लिए भी यह सीरीज आकर्षण का केंद्र बनी रहेगी। यह दौरा आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की तैयारी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है और टीम इंडिया इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर अपनी तैयारियों को और मजबूत करना चाहेगी।

### भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्री चारणी, श्रेयंका पाटिल, काश्वी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा।

# मियामी ओपन 2026: सिनर ने 'सनशाइन डबल' की उम्मीदें रखीं जिंदा, मेदवेदेव और मेंसिक बाहर

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
मियामी

मियामी ओपन 2026 में इटली के स्टार खिलाड़ी जानिक सिनर ने शानदार जीत के साथ अपने 'सनशाइन डबल (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक ही साल में जीतना)' के सपने को जिंदा रखा है। सिनर ने सोमवार को तीसरे दौर में फ्रांस के कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। इससे पहले वह इस महीने इंडियन वेल्स खिताब भी जीत चुके हैं और अब लगातार दूसरा बड़ा खिताब जीतने की दौड़ में हैं। सिनर का अगला मुकाबला अमेरिका के एलेक्स माइकलसन से होगा, जिन्होंने चिली के एलेजांद्रो टैबिलो को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया।

वहीं, मौजूदा चैंपियन याकुब मेंसिक को बड़ा झटका लगा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने कड़े मुकाबले में 7-6 (7/4), 4-6, 7-6 (13/11) से हराया। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने 6-0, 4-6, 7-5 से हराया। इससे पहले कार्लोस अल्काराज, एलेक्स डी मिनौर और बेन शेल्टन जैसे बड़े खिलाड़ी भी बाहर हो चुके हैं। फ्रांसेस टियाफो अब अगले दौर में फ्रांस के टेरेंस एटमाने से भिड़ेंगे, जिन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को हराकर उलटफेर किया। अन्य मुकाबलों में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्रोएशिया के मारिन चिलिच को 6-2, 5-7, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया, जबकि फ्रांस के उगो हम्बर्ट ने अलेक्जेंडर शेवचेंको को हराया। मियामी ओपन में इस बार कई बड़े उलटफेर देखने को मिल रहे हैं, जिससे टूर्नामेंट और भी रोमांचक हो गया है।

## मियामी ओपन 2026: सबालेंका क्वार्टरफाइनल में, गॉफ, मुचोवा और म्बोको भी अंतिम 8 में

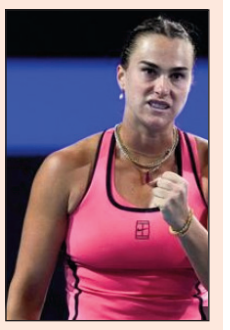

मियामी। मियामी ओपन 2026 में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने चीन की झेंग किनवेन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 25 मिनट तक चला। सबालेंका अब 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक ही साल में जीतना) के करीब पहुंच गई हैं। क्वार्टरफाइनल में सबालेंका का मुकाबला अमेरिका की हैली बैप्टिस्ट से होगा, जिन्होंने जेलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-4 से हराया। वहीं, अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने रोमानिया की सोराना सर्स्टिया को कड़े मुकाबले में 6-4, 3-6, 6-2 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। गॉफ को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन तीसरे सेट में उन्होंने दमदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया। चेक गणराज्य की करोलिना मुचोवा ने एकतरफा मुकाबले में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा ईला को 6-0, 6-2 से हराकर आसानी से क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की मीरा एंड्रीवा को 7-6(4), 4-6, 6-0 से हराया। म्बोको ने निर्णायक सेट में जबरदस्त खेल दिखाते हुए मैच अपने नाम किया। अब क्वार्टरफाइनल में म्बोको का मुकाबला मुचोवा से होगा, जहां दोनों खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी।

# जॉर्जिया वोल के तूफानी शतक की बदौलत तीसरे टी 20 में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 40 रन से हराया

**तीन मैचों की टी 20 सीरीज में 3-0 से किया क्लीन स्वीप**

एजेंसी (हि.स.)
सेंट विंसेंट

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने जॉर्जिया वोल के शानदार शतक की बदौलत वेस्टइंडीज को सोमवार (भारतीय समयानुसार मंगलवार) को हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 40 रन से जीत दर्ज की।

जॉर्जिया वोल ने 52 गेंदों में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल रहे। वोल की इस दमदार बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट पर 211 रन बनाए, जो 2023 के बाद उनका सर्वोच्च टी20 स्कोर और कुल मिलाकर पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है।

फोटोः हि.स.

वोल अब उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 में शतक लगाया है, जिसमें मेग लैनिंग, बेथ मूनी और एलिसा हीली जैसे बड़े नाम शामिल हैं। टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन सोफी मोलिनेक्स ने बनाए, जिन्होंने 12 गेंदों में 25 रन की तेज पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत एक बार फिर खराब रही और टीम ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज की टीम संघर्ष करती नजर आई और बारिश आने तक वह डीएलएस लक्ष्य से काफी पीछे थी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से लूसी हैमिल्टन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना पहला विकेट हासिल किया, जबकि एलिस पेरी ने भी लंबे समय बाद इस फॉर्मेट में विकेट लिया। इस मैच में जॉर्जिया वोल ने गेंदबाजी में भी हाथ आजमाया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार ओवर डाला। वहीं उपकप्तान ताहलिया मैक्ग्रा इस मैच में कुछ खास नहीं कर सकीं और सस्ते में आउट हो गईं। वेस्टइंडीज के लिए हेले मैथ्यूज ने गेंदबाजी में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन बल्लेबाजी में टीम को अच्छी शुरूआत नहीं मिल सकी। अब यह दौरा वनडे सीरीज की ओर बढ़ेगा, जिसमें दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज सेंट किट्स में शुक्रवार से शुरू होगी।

# हॉकी इंडिया वार्षिक अवॉर्ड्स में नामित होने पर हार्दिक और नवनीत ने जताया आभार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

हॉकी इंडिया के 8वें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में नामांकन मिलने के बाद भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक सिंह और नवनीत कौर ने खुशी जताते हुए इसे अपनी मेहनत की पहचान बताया। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि इस सम्मान ने उन्हें और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है और अब उनकी नजर आगामी बड़े टूर्नामेंट्स पर है। नई दिल्ली में 27 मार्च को आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित समारोह में हार्दिक सिंह और नवनीत कौर को 'हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर 2025' पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। इसके अलावा हार्दिक को 'अजीत पाल सिंह मिडफील्डर ऑफ द ईयर' और नवनीत को 'धनराज पिल्लै फॉरवर्ड ऑफ द ईयर' के लिए भी नामांकन मिला है। साल 2025 में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। हार्दिक सिंह ने राजगीर, बिहार में आयोजित हीरो एशिया कप में भारत को

फोटोः हि.स.

स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं नवनीत कौर ने महिला एशिया कप 2025 में छह गोल दागकर टीम को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया और इसी दौरान अपने 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर्स में भी नवनीत ने चार गोल कर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब जीता, जहां भारत ने रजत पदक हासिल किया। हार्दिक सिंह ने अपने बयान में कहा कि इस तरह के अवॉर्ड्स खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण को पहचान देते हैं, जिससे आगे और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

# दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए केयली नाइट को पहली बार न्यूजीलैंड की वनडे टीम में मौका

एजेंसी (हि.स.)
वेलिंगटन

न्यूजीलैंड महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली आगामी वनडे सीरीज के लिए तेज गेंदबाज केयली नाइट को पहली बार टीम में शामिल किया है। यह उनका पहला महिला वनडे कॉल-अप है। केयली नाइट ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था, जहां उन्होंने दो मैचों में दो विकेट हासिल किए थे। वह 2023 अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप टीम का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्हें यह मौका मिला है। 2025/26 सुपर स्मैश में नॉर्दर्न ब्रेव के लिए खेलते हुए उन्होंने 10 विकेट झटके और टीम की संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल गेंदबाज रहीं। इसके अलावा 50 ओवर के प्रारूप में भी उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जहां

फोटोः हि.स.

उन्होंने हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड में 17 विकेट लेकर टीम को पहला खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। न्यूजीलैंड की मुख्य कोच बेन सॉयर ने नाइट के चयन पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें पहली वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल करना काफी अच्छा है।

उन्होंने कहा कि नाइट के पास अच्छी गति और नियंत्रण है, और उनकी शॉर्ट बॉल बल्लेबाजों के लिए चुनौती बनती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके पास खुद को साबित करने की क्षमता है। वहीं टीम में सुजी बेट्स, फ्लोरा डेवोनशायर और जॉर्जिया प्लिमर की चोट के बाद वापसी हुई है, जबकि एमा मैकलियोड, पॉली इंग्लिस और बेला जेम्स को बाहर किया गया है। केयली नाइट ने मौली पेनफोल्ड की जगह ली है। फिलहाल न्यूजीलैंड टीम टी20 सीरीज में 3-1 से आगे है और आखिरी मैच 25 मार्च को खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज 29 मार्च से शुरू होगी।

### दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम

मेलि केर (कप्तान), सुजी बेट्स, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, जेस केर, केयली नाइट, रोजमेरी मायर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर और इजी शार्प।

## खाना-खजाना दर्पण

# चाय के साथ बनाएं चटपटी आलू चाट मिनटों में तैयार होगा ये टेस्टी स्नैक

**शाम की चाय हो और साथ में कुछ स्वादिष्ट न हो, तो मजा अधूरा लगता है। इन दिनों कई शहरों में प्री मानसून भी देखने को मिल रहा है। बेमौसम बरसात में तो चाय के साथ कुछ चटपटा स्नैक्स और लजीज लगता है। ऐसे में आलू चाट एक परफेक्ट ऑप्शन है। यह रेसिपी न सिर्फ आसान है बल्कि इसका चटपटा स्वाद हर किसी को पसंद आता है। आइए जानते है क्रिस्पी आलू चाट रेसिपी कैसे बना सकते हैं, सामग्री और विधि नोट कर लें। ये रेसिपी जल्दी बन जाती है। कम सामग्री में तैयार हो जाती है। हर उम्र के लोगों को पसंद आता है।**

### जरूरी सामग्री

3-4 उबले आलू
तेल (तलने के लिए)
नमक स्वादानुसार
लाल मिर्च पाउडर
चाट मसाला
जीरा पाउडर
हरी चटनी
इमली की चटनी
नींबू का रस
बारीक कटा प्याज
हरा धनिया

### क्रिस्पी आलू चाट बनाने की आसान विधि

स्टेप 1- उबले आलू को क्यूब्स में काट लें।
स्टेप 2- कढ़ाही में तेल गर्म करें और आलू को गोल्डन ब्राउन होने तक तल लें।
स्टेप 3- तले हुए आलू में नमक, लाल मिर्च, चाट मसाला और जीरा पाउडर डालें।
स्टेप 4- अब इसमें हरी चटनी और इमली की चटनी मिलाएं।
स्टेप 5- ऊपर से नींबू का रस, प्याज और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।
आपकी चटपटी आलू चाट तैयार है!

### स्वाद बढ़ाने के टिप्स

ऊपर से सेव डालकर और क्रंची बना सकते हैं। अनार के दाने डालें तो टेस्ट और बढ़ेगा। मसाला अपनी पसंद के अनुसार एडजस्ट करें।

# सॉफ्ट दही भल्ले बनाने का सीक्रेट तरीका

ईद का त्योहार खुशियों, मिलन और स्वादिष्ट पकवानों के लिए जाना जाता है। अगर आप ईद पर कोई आसान और स्वादिष्ट डिश बनाना चाहते हैं तो सॉफ्ट दही भल्ले एक शानदार विकल्प हैं। ईद के मौके पर सॉफ्ट दही भल्ले एक ऐसी डिश है जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक सभी पसंद करते हैं। आप भी इस ईद पर घर में कुछ खास बनाना चाहते हैं, तो यह आसान रेसिपी आपके लिए बिल्कुल परफेक्ट है। इस रेसिपी की मदद से आप हलवाई जैसे स्पंजी और मुलायम दही भल्ले घर पर ही बना सकते हैं। यह रेसिपी जल्दी बनती है और हर किसी को पसंद आती है।

### दही भल्ले बनाने की आसान विधि

1. दाल तैयार करें- उड़द दाल को 4-5 घंटे पानी में भिगो दें। इसके बाद दाल को पीसकर गाढ़ा बैटर बना लें।
2. बैटर को फेंटें- अब इसमें नमक डालकर 5-7 मिनट तक अच्छे से फेंटें। इससे भल्ले हल्के और स्पंजी बनेंगे।
3. भल्ले तलें- कढ़ाई में तेल गर्म करें और छोटे-छोटे भल्ले डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक तलें।
4. पानी में भिगोएं- तले हुए भल्लों को 10 मिनट के लिए गुनगुने पानी में डाल दें। इससे वे नरम हो जाएंगे।
5. दही के साथ सर्व करें- भल्लों को हल्का दबाकर पानी निकाल लें। अब प्लेट में रखकर ऊपर से दही, इमली की चटनी, हरी चटनी और मसाले डालें।

### परफेक्ट सॉफ्ट दही भल्ले बनाने के टिप्स

दाल का बैटर जितना ज्यादा फेंटेंगे, भल्ले उतने मुलायम बनेंगे। भल्ले तलने के बाद गुनगुने पानी में जरूर भिगोएं। दही को पहले अच्छी तरह फेंट लें ताकि टेक्सचर स्मूद रहे। ईद के दिन दही भल्लों को अनार के दाने, सेव और धनिया पत्ती से सजाकर सर्व करें। इससे स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

### दही भल्ले बनाने के लिए सामग्री

1 कप उड़द दाल
2 कप दही
1 छोटा चम्मच नमक
1 छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर
1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
इमली की चटनी
हरी चटनी
तेल (फ्राई करने के लिए)
थोड़ा सा काला नमक

# मेहमानों के लिए बनाए खास लाल मिर्च कोरमा, ये रही आसान रेसिपी

**अगर आप मेहमानों के लिए कुछ अलग और लाजवाब बनाना चाहते हैं, तो लाल मिर्च कोरमा एक बेहतरीन विकल्प है। इसका मसालेदार और रिच स्वाद हर किसी को पसंद आएगा और आपकी दावत की शान बढ़ा देगा। अगर आप इस ईद कुछ नया और खास बनाना चाहते हैं, तो लाल मिर्च कोरमा जरूर ट्राई करें। इसका तीखा और रिच स्वाद आपके मेहमानों को बेहद पसंद आएगा और आपकी दावत को बना देगा यादगार।**

### कोरमा बनाने के लिए सामग्री

कटी हुई सब्जियां जैसे आलू, मटर, गाजर, बीन्स, गोभी
6-8 साबुत लाल मिर्च
1 कप दही
2 प्याज (बारीक कटे हुए)
1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट
2-3 तेज पत्ता
4 लौंग, 2 इलायची
आधा टीस्पून हल्दी
1 टीस्पून धनिया पाउडर
नमक स्वादानुसार
3 टेबलस्पून तेल या घी

### कोरमा बनाने की विधि

स्टेप 1: कोरमा बनाने के लिए सबसे पहले लाल मिर्च तैयार करें। इसके लिए सूखी लाल मिर्च को 10 मिनट गर्म पानी में भिगो दें। फिर पीसकर स्मूद पेस्ट बना लें स्टेप 2: अब मसाला तैयार करें। कढ़ाई में तेल या घी गर्म करें। उसमें खड़े मसाले जैसे तेज पत्ता, लौंग और इलायची डालें। फिर बारीज कटा प्याज डालकर सुनहरा भूरा होने तक भूनें। स्टेप 3: अदरक-लहसुन पेस्ट डालें। अब इसमें सभी सब्जियां डालकर अच्छी तरह भूनें। स्टेप 4: फिर कोरमा बेस तैयार करें। इसके लिए कढ़ाई में दही, हल्दी, धनिया पाउडर और लाल मिर्च का पेस्ट डालें। धीमी आंच पर 10-15 मिनट पकाएं। स्टेप 5: इसे ढककर 10-15 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। जरूरत हो तो थोड़ा पानी डालें। ऊपर से कस्तूरी मेथी या हरा धनिया डालकर सर्व कर सकते हैं। गरमा-गरम कोरमा को नान, रोटी या चावल के साथ सर्व करें।

### खास टिप्स

ज्यादा तीखा नहीं चाहते हैं तो लाल मिर्च की मात्रा कम करें। या कश्मीरी लाल मिर्च मिलाएं। इससे रंग आता है, तीखापन नहीं। दही को फटने से बचाने के लिए पहले फेंट लें। घी में बनाने से स्वाद और रिच हो जाएगा।

# एलपीजी आपूर्ति एवं सीजीडी/पीएनजी अवसंरचना में तेजी लाने संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़



दिनांक 23 मार्च, 2026 को चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद की अध्यक्षता में एलपीजी आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा हेतु एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में हालिया वैश्विक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में एलपीजी आपूर्ति का आकलन किया गया तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय से प्राप्त सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार संबंधी संचार पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने समन्वित एवं मिशन मोड में कार्य करने की आवश्यकता पर बल देते हुए संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को आवश्यक निर्देश जारी किए।

बैठक के दौरान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) से संबंधित आवेदनों के त्वरित अनुमोदन एवं शिकायत निवारण हेतु राज्य-स्तरीय एवं जिला-स्तरीय सशक्त समिति के गठन का निर्णय लिया गया। अवसंरचना के शीघ्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए ह्डिग एंड रिस्टोरह्व प्रणाली लागू की जाएगी, जिसके तहत सीजीडी संस्थाओं को खुदाई के बाद पुनर्स्थापन कार्य करने की अनुमति होगी। इसके अतिरिक्त, कार्यों में तेजी लाने हेतु चौबीसों घंटे कार्य करने की भी अनुमति प्रदान की गई है।

तेल विपणन कंपनियों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तथा उपायुक्त कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित कर एलपीजी कोटा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने, किसी भी प्रकार के दुरुपयोग को रोकने तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए गए। सभी वाणिज्यिक एवं औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए चंडीगढ़ में संबंधित सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन इकाई के साथ पीएनजी के लिए आवेदन करना अनिवार्य होगा। उन्हें पीएनजी प्राप्त करने हेतु आवश्यक सभी तैयारियां पूर्ण करनी होंगी, तभी वे कुल 50 प्रतिशत आवंटन में से वाणिज्यिक एलपीजी के पात्र होंगे।

निवासियों को जहां भी उपलब्ध हो, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि एलपीजी पर निर्भरता कम की जा सके, गैस की निरंतर एवं सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित हो तथा इसकी किफायती एवं पर्यावरण अनुकूल विशेषताओं का लाभ उठाया जा सके। घरेलू एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं से पीएनजी कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराने एवं सतत ऊर्जा की दिशा में सक्रिय भागीदारी करने का भी आग्रह किया गया। इच्छुक उपभोक्ता ग्राहक सेवा नंबर 180023355666 पर संपर्क कर सकते हैं या इंडियन ऑयल अडानी गैस प्रा. लि., प्रथम तल, प्लॉट नंबर 16, सेक्टर-22, चंडीगढ़ स्थित कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

बैठक में चंडीगढ़ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें गृह सचिव; सचिव, खाद्य एवं आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले एवं विधिक माप विज्ञान; विशेष सचिव (वित्त); उपायुक्त; विशेष आयुक्त, नगर निगम; निदेशक, खाद्य एवं आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले एवं विधिक माप विज्ञान; मुख्य अभियंता; जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक शामिल थे, उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के उप महाप्रबंधक (एलपीजी), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, चंडीगढ़ के मंडल प्रमुख (एलपीजी) तथा इंडियन ऑयल अडानी गैस प्रा. लि. के जीए प्रमुख भी बैठक में उपस्थित थे।

# राज्यपाल ने पारदर्शी सेवा वितरण और समावेशी विकास के लिए आधार को महत्वपूर्ण बताया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़



पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज होटल माउंटव्यू में ड्राइविंग मैक्सिमम आउट ऑफ आधार विषय पर आयोजित आधार इकोसिस्टम की राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा कि आधार सुशासन, पारदर्शिता और ईज ऑफ लिविंग के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है। उन्होंने कहा कि आधार सरकार को यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे, साथ ही धोखाधड़ी को कम करने और फर्जी लाभार्थियों को समाप्त करने में भी सहायक है।

राज्यपाल ने कहा कि आधार ने नागरिकों को बैंक खातों के माध्यम से सीधे राज्य और केंद्र सरकार से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया है, जिससे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण संभव हुआ है। इससे सब्सिडी और वित्तीय सहायता सीधे और पारदर्शी तरीके से पात्र लाभार्थियों तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि आधार ने सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान बनाई है और वंचित वर्गों तक लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया को बेहतर किया है। उन्होंने आगे कहा कि आधार जन्म पंजीकरण से लेकर आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य सेवाओं तक दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। सही लाभार्थियों की पहचान और समावेशन को बढ़ावा देकर आधार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की दूरी कम कर रहा है तथा विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान दे रहा है।

इस अवसर पर पंजाब के मुख्य सचिव श्री के.ए.पी. सिन्हा, कअर ने कहा कि आधार ने नागरिकों और प्रशासन दोनों के सामने आने वाली कई समस्याओं का समाधान किया है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री भुवनेश कुमार, कअर ने कहा कि आधार नागरिकों को मुख्यधारा की सेवाओं से जोड़ने और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने का आधार बन गया है। उन्होंने कहा कि आधार अपने मूल स्वरूप से आगे बढ़ चुका है और अब जन्म पंजीकरण से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक अनेक क्षेत्रों में उपयोग हो रहा है, जिससे यह जीवन के लगभग हर क्षेत्र में प्रासंगिक बन गया है। कार्यशाला में हितधारकों के बीच समन्वय को मजबूत करने और पारदर्शी एवं प्रभावी सेवा वितरण को और बेहतर बनाने के लिए तकनीक के उपयोग पर बल दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ के उप महानिदेशक कमोडोर धीरज सरीन भी उपस्थित थे।

# सुखना लेक पर एयर शो की तैयारियों की मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़



यूटी चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव श्री एच. राजेश प्रसाद ने आज आगामी सूर्य किरण एरोबैटिक टीम सिविल एयर डिस्प्ले (27 एवं 28 मार्च, 2026) के सफल आयोजन हेतु तैयारियों की समीक्षा और समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। यह एयर शो सुखना लेक पर आयोजित किया जाएगा। बैठक में चंडीगढ़ प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवाएं, भारतीय वायु सेना तथा अन्य संबंधित विभागों और एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने कहा कि यह एयर शो शहर के लिए गौरव का विषय है और इसमें बड़ी संख्या में लोगों के उत्साहपूर्वक भाग लेने की संभावना है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के सुचारू एवं सुरक्षित संचालन हेतु सूक्ष्म स्तर पर तैयारियां, प्रभावी आपसी समन्वय तथा सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। आगंतुकों की सुविधा के लिए शहर के सात निर्धारित पिक-अप और ड्रॉप पॉइंट्स से सीटीयू बसों की व्यवस्था की जाएगी। आम जनता को केवल अपने पास पर उल्लिखित निर्धारित स्थानों से ही बसों में सवार होने की सलाह दी गई है। बसों की अंतिम पिक-अप समय सुबह 9:00 बजे निर्धारित किया गया है।

एयर शो में प्रवेश पास के माध्यम से ही होगा, जो चंडीगढ़ टूरिज्म ऐप पर प्रति व्यक्ति 100 शुल्क देकर उपलब्ध कराए गए हैं। कार्यक्रम स्थल की क्षमता प्रतिदिन 10,000 व्यक्तियों तक सीमित रखी गई है। सामान्य जनता को सभी सुरक्षा एवं दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। आगंतुकों से अनुरोध किया गया है कि वे 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों को साथ न लाएं, केवल पारदर्शी पानी की बोतलें ही रखें तथा किसी भी प्रकार का खाद्य पदार्थ साथ लाने से बचें। स्थल पर पेयजल एवं स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की जाएगी। मुख्य सचिव ने पुनः सभी विभागों को आपसी समन्वय एवं सतत संचार बनाए रखते हुए किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

# आधार परिवर्तनकारी शासन, पारदर्शिता और प्रत्यक्ष लाभ वितरण को बढ़ावा देता है: गुलाब चंद कटारिया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़



चंडीगढ़ में 24 मार्च 2026 को आयोजित आधार पारिस्थितिकी तंत्र पर उच्च स्तरीय कार्यशाला में, माननीय पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आधार को आधुनिक शासन के परिवर्तनकारी स्तंभ के रूप में वर्णित किया, जिसने सार्वजनिक सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता, जवाबदेही और गरिमा को काफी बढ़ाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधार को सीधे बैंक हस्तांतरण (ऊश्रीू३ इंल्ल' ळ१ल्लश्री१२) के साथ जोड़ने से यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकारी लाभ अब बिना किसी बिचौलिए के सीधे उन लाभार्थियों तक पहुँचते हैं जिनके लिए वे बने हैं। इससे उन व्यापक लीकेज की समस्या खत्म हो गई है, जिसने कभी आपदा राहत, छात्रवृत्ति और स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमों जैसी कल्याणकारी योजनाओं को बुरी तरह प्रभावित किया था। उन्होंने बताया कि वन नेशन वन राशन कार्ड जैसी पहलें आधार के कारण संभव हुई हैं, जो लाभार्थियों को पूरे देश में सहजता से पात्रताओं तक पहुंचने की अनुमति देती हैं, जबकि इसके व्यापक आर्थिक प्रभाव को भी नोट किया, जिसमें बेहतर कर अनुपालन और जीएसटी राजस्व में लगभग 66,000 करोड़ प्रति माह से 2 लाख करोड़ से अधिक की पर्याप्त वृद्धि शामिल है। राज्यपाल ने जीवंत चुनौतियों को भी स्वीकार किया, जिसमें बुजुर्ग नागरिकों में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की समस्याएं, आधार नामांकन में देरी, और यह सुनिश्चित करने के लिए अधिक नागरिक-अनुकूल और समावेशी प्रशासनिक दृष्टिकोण की आवश्यकता शामिल है कि कोई भी पात्र व्यक्ति प्रणाली से बाहर न रहे। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश कुमार ने सभा को संबोधित किया और आधार पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख विकासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवीन रूप से लॉन्च किए गए आधार एप्लिकेशन के बारे में बात की और विदेशी आधार पंजीकरण पहल के महत्व पर जोर दिया, जो विदेश में रहने वाले भारतीय निवासियों को सेवाएं प्रदान करने में विस्तार करता है।

इस मौके पर मौजूद मुख्य मेहमानों ने डिजिटल शासन के आधारशिला के रूप में आधार का लाभ उठाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया, निरंतर सुधार, तकनीकी नवाचार, और समावेशी कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि लाभ कुशलता से, पारदर्शी रूप से, और केवल उचित लाभार्थियों को प्रदान किए जाएं।

## संक्षिप्त-समाचार

### स्वर्गीय प्रीत मोहिनी कौर की आत्मिक शांति हेतु अंतिम अरदास 26 मार्च को: हरमीत सिंह कालका



**नई दिल्ली**। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने गहरे दुख के साथ बताया कि उनकी पूजनीय माता श्रीमती प्रीत मोहिनी कौर अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करते हुए अकाल पुरख के चरणों में जा विराजे हैं। उनकी आत्मिक शांति के लिए समस्त कालका परिवार की ओर से रखे गए श्री अखंड पाठ साहिब जी के भोग एवं अंतिम अरदास 26 मार्च 2026 को दोपहर बाद 3 बजे से 4 बजे तक गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब स्थित भाई लखी शाह वंजारा हॉल, नई दिल्ली में संपन्न होगी। सरदार हरमीत सिंह कालका ने संगत एवं स्नेहियों से विनम्र अपील की है कि वे अंतिम अरदास समागम में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए अरदास में शामिल होने की कृपा करें।

### चैत्र नवरात्र मेले के छठे दिन तीनों मंदिरों में आया 37 लाख 20 हजार 365 रुपये चढ़ावा

**पंचकूला**। चैत्र नवरात्र मेले के छठे दिन आज श्री माता मनसा देवी मंदिर , श्री काली माता मंदिर कालका व चंडी माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने कुल 37 लाख 20 हजार 365 रुपए की राशि दान स्वरूप अर्पित की।माता मनसा देवी मंदिर में 95,000 श्रद्धालुओं, काली माता मंदिर कालका में 28,000 और चंडी माता मंदिर में 1500 श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। उपायुक्त एवं श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री सतपाल शर्मा ने बताया की श्री माता मनसा देवी मंदिर में 34 लाख 34 हजार 658 रुपये, श्री काली माता मंदिर कालका में 2 लाख 65 हजार 247 रुपये और चंडी माता मंदिर में 90 हजार 950 रुपये दान स्वरूप अर्पित किए गए। इसके अलावा श्री माता मनसा देवी मंदिर में सोने के 2 नग और चांदी के 31 नग भी दान स्वरूप अर्पित की गये।

### एनएसएस-पेक द्वारा पीजीआईएमईआर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन

**चंडीगढ़**। पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) क्लब ने पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के सहयोग से कॉलेज परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस सराहनीय पहल का उद्देश्य रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना तथा विद्यार्थियों एवं स्टाफ में सामाजिक सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस शिविर के दौरान कुल 150 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया तथा 190 पंजीकरण हुए, जो पेक के विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों और वालंटियर्स के जीवन रक्षक उद्देश्य के प्रति उत्साह और संवेदनशीलता को दशार्ता है। इस अवसर पर पेक के माननीय निदेशक प्रो. राजेश कुमार भाटिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ डॉ. डी.आर. प्रजापति (डीन स्टूडेंट अफेयर्स), डॉ. संदीप कौर (समन्वयक, एनएसएस), डॉ. मोहित कुमार, डॉ. मयंक गुप्ता एवं डॉ. रत्तन लाल (सभी सह-समन्वयक) भी मौजूद रहे। प्रो. भाटिया ने एनएसएस टीम के सामाजिक कार्यों में निरंतर योगदान की सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान गणमान्य व्यक्तियों ने रक्तदाताओं से संवाद किया तथा उन स्टार डोनर्स को सम्मानित किया, जिन्होंने पूर्व में आयोजित रक्तदान शिविरों में भी नियमित रूप से भाग लिया है। इस पहल को प्रतिभागियों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और इसे सहानुभूति, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सराहा गया। एनएसएस-पेक और पीजीआईएमईआर के बीच यह सफल सहयोग, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति पेक की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

### चंडीगढ़ में विश्व टीबी दिवस मनाया गया

**चंडीगढ़**। सेक्टर-17 स्थित प्लाजा, चंडीगढ़ में विश्व टीबी दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चंडीगढ़ प्रशासन की निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं-सह-मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), डॉ. सुमन सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन स्वास्थ्य विभाग, यू.टी. चंडीगढ़ के स्टेट टीबी ऑफिसर डॉ. नवनीत कंवर द्वारा किया गया। यह आयोजन ह्यटीबी मुक्त भारतह्न अभियान के अंतर्गत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से किया गया, जिसमें एनएसएस कैडेट्स और ह्यमाई भारतह्न स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत जन-जागरूकता सत्र से हुई, जिसमें तपेदिक उन्मूलन में सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की अहम भूमिका पर जोर दिया गया। जागरूकता बढ़ाने और टीबी से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर करने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। इस अवसर पर एक वॉकाथॉन का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य टीबी की रोकथाम और उपचार के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना था। साथ ही, टीबी जागरूकता, जांच और उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने हेतु एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

### सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने किए माता मनसा देवी के दर्शन, लिया आशीर्वाद



**पंचकूला**। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने चैत्र नवरात्र के छठे दिन आज पंचकूला के एतिहासिक माता मनसा देवी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की और महामाई का आशीर्वाद लिया। उन्होंने प्रदेशवासियों के लिए सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा का माता मनसा देवी मंदिर पहुँचने पर प्रशासन और श्राइन बोर्ड की और से स्वागत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती निशा यादव, बोर्ड की सचिव श्रीमती शारदा प्रजापति एवं अनेक अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शहीदी दिवस को समर्पित विशेष चरण का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़



राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरम्ह्न के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत, चंडीगढ़ प्रशासन के सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा रानी लक्ष्मी बाई महिला भवन, सेक्टर-38, चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री एच. राजेश प्रसाद, मुख्य सचिव, यू.टी. चंडीगढ़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में 7 नवंबर, 2025 से 7 नवंबर, 2026 तक मनाए जा रहे इस वर्षव्यापी आयोजन के अंतर्गत 23 से 30 मार्च, 2026 तक ह्यशहीदी दिवसह्न को समर्पित विशेष चरण आयोजित किया जा रहा है। यह चरण शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है।

इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा ह्यवंदे मातरम्ह्न की अमर विरासत और राष्ट्रभक्ति की भावना को पुनः स्मरण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वतंत्रता सेनानियों को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा ह्यवंदे मातरम्ह्न की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रीय गीत के इतिहास और महत्व को दशार्ती एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसमें श्री बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा भारत माता को शक्ति, भक्ति और राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक के रूप में चित्रित करने की परिकल्पना को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ और ह्यशहीदी दिवसह्न पर आधारित एक नाटक भी शामिल था।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री एच. राजेश प्रसाद ने कहा कि ह्यवंदे मातरम्ह्न के 150 वर्ष का यह आयोजन स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदानों को स्मरण एवं सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है, जिनके कारण आज हम स्वतंत्रता और शांति का जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी ने स्वतंत्रता संग्राम को मुख्यतः पुस्तकों और कथाओं के माध्यम से जाना है, किन्तु ऐसे वर्षव्यापी आयोजन देशभक्ति की उस भावना को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करते हैं, जिसने रानी लक्ष्मी बाई, मंगल पांडे, तांत्या टोपे, भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे महान नायकों को प्रेरित किया।

नागरिकों को ह्यवंदे मातरम्ह्न के 150 वर्ष के उत्सव में भाग लेने हेतु 23 से 31 मार्च, 2026 के बीच आधिकारिक पोर्टल ५ल्लीॅ३१ें150.ल्ल पर पंजीकरण करने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रतिभागी राष्ट्रीय गीत की अपनी प्रस्तुति का वीडियो अपलोड कर सकते हैं या एक सेल्फी साझा कर सकते हैं। यह पहल संस्कृति मंत्रालय द्वारा 1875 में इसकी रचना की स्मृति में आयोजित की जा रही है। सफल प्रविष्टियों पर डिजिटल प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

# हरियाणा की बेटियों ने रचा नया इतिहास

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

**चार दिन में 81 किलोमीटर लंबा ट्रैक सफलतापूर्वक किया पूरा**

हरियाणा की बेटियों ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुएए कालका से सिंहवाला तक 81 किलोमीटर का ट्रैक 4 दिनों में पूरा कर-के नया इतिहास रच दिया है। यह ट्रैक हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया था। जिसमें प्रमुख रूप से महिला विश्वविद्यालय खानपुर, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई, एमएसएम आयुर्वेद कॉलेज तथा श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की छात्राओं ने ने भाग लिया। वन विभाग के संयुक्त सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। युवा कल्याण सयोंजक नरेंद्र सिंह ने इस ऐतिहासिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह 4 दिवसीय ट्रैकिंग कार्यक्रम मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार हरियाणा सरकार द्वारा विशेष रूप से आयोजित किया गया था। जिसमें राज्यभर से 19 छात्राओं ने भाग लिया। यह राज्य में पहली बार था जब छात्राओं ने इतनी लंबी दूरी तय की और उसे सफलता पूर्वक पूरा किया।उन्होंने छात्राओं को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा यह उपलब्धि न केवल छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, बल्कि यह बेटियों की शक्ति, साहस और दृढ़ निश्चय का प्रतीक भी है। रेंज अधिकारी संजय ने इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वन विभाग ने पहले इस ट्रैक को चिन्हित किया था। लेकिन अब तक किसी भी छात्रा दल ने इसे पूरा नहीं किया था। इस ट्रैक को बेटियों ने अपनी मेहनत समर्पण से पूरा कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह न केवल हरियाणा राज्य के लिए गर्व का विषय है बल्कि यह राज्य में युवा गतिविधियों और साहसिक खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

# मंडी में गेट पास जारी करने के लिए दिशा निर्देश जारी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

रबी विपणन सीजन 2026 के दौरान गेट पास जारी करने एवं बोली प्रक्रिया प्रारंभ करने से संबंधित हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा किसान भाइयों के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। उपरोक्त जानकारी प्रदान करते हुए मंडी बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया किसान भाइयों को कोई भी असुविधा न हो, इसलिए गेट पास को लेकर जो भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं उन्हें दूर करने हेतु मंडी बोर्ड द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। सभी किसान भाई इन दिशा निर्देशों के अनुसार बहुत आसानी से मंडी में अपनी फसल को बेच सकते हैं और यदि किसी किसान भाई को फिर भी कोई दिक्कत आती है तो वह टोल फ्री नंबर 18001802060 पर कॉल करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जारी दिशा निर्देशों के अनुसार मंडी में कृषि उपज लेकर आने वाले किसानों द्वारा गेट पास प्राप्त करने के लिए वाहन नंबर प्लेट तथा वाहन की फोटो अनिवार्य कर दी गई है। यदि वाहन पर वाहन नंबर प्लेट अंकित नहीं है तो भी गेट पास जारी करने पर कोई रोक नहीं होगी। ऐसी स्थिति में वाहन की फोटो अनिवार्य रहेगी। साथ ही इस प्रकार जारी किए गए गेट पासों की रिपोर्ट संबंधित सचिव के पोर्टल तथा गेटकीपर के पोर्टल में प्रतिदिन प्रदर्शित की जाएगी। किसानों द्वारा बैलगाड़ी या अन्य पारंपरिक साधनों से लाई गई कृषि उपज के लिए किसान एवं संबंधित साधन के फोटोग्राफ के आधार पर गेट पास जारी किया जा सकेगा।

प्रवक्ता ने बताया कि सभी गेट पास एवं बिक्री प्रक्रिया केवल मंडी के लिए निर्धारित जियो-फेंस्ड मंडी क्षेत्र के भीतर ही जारी की जाएंगी। प्रत्येक गेट पास के लिए किसान या किसान द्वारा नामित व्यक्ति का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। प्रत्येक गेट पास के बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद ही बिक्री प्रक्रिया शुरू होगी। मंडी में गेट पास जारी करने का समय प्रातः 6.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक होगा। उन्होंने बताया की रबी सीजन 2026 के दौरान गेट पास जारी करने और बोली प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में अगर सभी किसान भाई निर्देशों का पालन करेंगे तो उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

**250 प्रतिभागियों में राज्य एनएसएस अधिकारी और अन्य शामिल**

# एनएसएस सम्मेलन का शुभारंभ, युवा नेतृत्व एवं सामुदायिक सहभागिता पर जोर

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली



पंजाब एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए राज्य एनएसएस सम्मेलन का आज मोहाली, पंजाब में उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें राज्य एनएसएस अधिकारी (पंजाब एवं यूटी चंडीगढ़), एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता तथा विभिन्न संस्थानों से चयनित स्वयंसेवक शामिल थे। यह दो दिवसीय सम्मेलन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना तथा राष्ट्र निर्माण के लक्ष्यों के अनुरूप युवा-नेतृत्व वाले सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस, सचिव शिक्षा, चंडीगढ़ प्रशासन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में श्री कोमल सिंह चौधरी, प्रतिनिधि निदेशक, एनएसएस, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार; श्री कुलविंदर सिंह, उप निदेशक, युवा सेवाएं, पंजाब सरकार; श्रीमती रुपिंदर कौर, राज्य एनएसएस अधिकारी, पंजाब सरकार; डॉ. नेमी चंद गोलिया, राज्य एनएसएस अधिकारी, चंडीगढ़ प्रशासन; प्रो. (डॉ.) रविराजा एन. सीताराम, कुलपति, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय; प्रो. (डॉ.) देविंदर सिंह, प्रो-उपकुलपति, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय; तथा ब्रिगेडियर (डॉ.) गगनदीप सिंह बाठ, कार्यकारी निदेशक, छात्र कल्याण एवं प्रशासन विभाग, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय शामिल रहे।

अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य अतिथि ने सामाजिक रूप से जिम्मेदार युवाओं के निर्माण में एनएसएस की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला और सेवा भावना को बढ़ावा देने में इसकी महत्ता को रेखांकित किया।

श्री जय भगवान, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस क्षेत्रीय निदेशालय चंडीगढ़, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने एनएसएस के अंतर्गत प्रमुख प्राथमिकताओं एवं चल रही पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की और कार्यक्रम अधिकारियों को नवाचारपूर्ण, प्रभावी एवं सामुदायिक उन्मुख दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन के प्रथम दिवस में एनएसएस कार्यक्रमों के सुदृढ़ क्रियान्वयन, सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाने तथा विभिन्न संस्थानों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर केंद्रित संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और युवाओं को समाजोपयोगी योगदान हेतु सशक्त बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सम्मेलन का दूसरा दिन कल आयोजित होगा, जिसमें राष्ट्र निर्माण एवं युवा सशक्तिकरण में एनएसएस की भूमिका को और मजबूत करने पर केंद्रित सत्र आयोजित किए जाएंगे।